सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition
वर्ष 1, अंक 120, नई दिल्ली, रविवार, 26 फरवरी 2023, पेज 8

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाया
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 स्टैंडिंग कमेटी चुनाव में दोबारा वोटिंग पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक
05 ऑटो इंडस्ट्री के लिए कैसा रहा ये सप्ताह?
08 सीएम योगी ने कहा- जिन्ना की आरती उतारती है सपा

आज का सुविचार

सफलता की लड़ाई अकेली ही लड़नी पड़ती है, सैलाब उमड़ता है जीत जाने के बाद।

दिल्ली-मुंबई एव सप्रेसवे पर दौड़ेंगी सुपर लग्जरी बसें, 3rd AC जितना है किराया, रूट भी हो गया तय

सिंधी कैंप जयपुर बस डिपो से 9 सुपर लग्ज़री बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, पहली बार राजस्थान रोडवेज़ की कोई बस जयपुर से मुंबई तक जाएगी.

संजय बाटला

दिल्ली-मुंबई एव सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों किया था. बताया जा रहा है कि एव सप्रेसवे के ऑपरेशनल होने से दिल्ली से जयपुर तक की यात्रा करने में लगने वाले समय में काफी बचत होगी. अब राजस्थान रोडवेज की सुपर लग जरी बसों से यात्रियों की यात्रा और भी सुगम और आरामदायक होने की उम्मीद है.

जयपुर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के जरिये दिल्ली से जयपुर जाने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है. राजस्थान रोडवेज के बेड़े में 9 सुपर लग्जरी बसें शामिल की गई हैं. ये बसें जयपुर-दिल्ली और जयपुर-मुंबई समेत 5 महानगरों को कनेक्ट करेंगी. राजस्थान रोडवेज़ की 9 सुपर लग्ज़री बसों को प्रदेश के परिवहन मंत्री बृजेन्द्र ओला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. सभी 9 बसों को अनुबंध पर लिया गया है. लग्जरी बसें जयपुर से हरिद्वार, लखनऊ, अहमदाबाद, हरिद्वार और दिल्ली तक रोज़ाना संचालित होंगी. रूट तय होने के साथ ही इसका किराया भी फिक्स कर दिया गया है.

सिंधी कैंप जयपुर बस डिपो से 9 सुपर लग्ज़री बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. पहली बार राजस्थान रोडवेज़ की कोई बस जयपुर से मुंबई तक जाएगी. जयपुर से मुंबई पहुंचने में 24 घंटे का समय लगेगा. इन बसों में स्लीप सीट होने के साथ ही आरामदायक चेयर भी होंगी. सुपर लग्जरी AC बसों का किराया हज़ारों रुपए में है. बता दें कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन किया जा चुका है. ऐसे में ये बसें नई चमचमाती सड़कों पर फर्राटा भरेंगी.

जयपुर से मुंबई का किराया 2 हज़ार रुपये से भी ज़्यादा है. ट्रेन के थर्ड एसी कोच से जयपुर से मुंबई की यात्रा करने में जितना किराया चुकाना होगा, तकरीबन उतना ही किराया सुपर लग्जरी बस से यात्रा करने के लिए चुकाना होगा. इससे यात्रियों को सुविधा तो होगी, लेकिन इसके साथ ही कई तरह के सवाल भी उठने लगे हैं. यात्री इतना लंबा सफर रेल को छोड़कर बस में क्यों करेंगे? हालांकि, सुपर लग्जरी बसों के लगातार संचालन के बाद ही पता चल पाएगा कि यात्री बस से इस रूट पर यात्रा करने में दिलचस्पी ले रहे हैं या नहीं. बहरहाल अनुबंधित बसें सड़क पर उतर चुकी हैं और राजस्थान रोडवेज़ को अभी भी नई बसों का इंतज़ार है. परिवहन मंत्री ने कॉन्ट्रैक्ट पर बसों को लेकर हरी झंडी तो दिखा दिया, लेकिन कुछ सवालों के जवाब वह अभी भी नहीं दे सके हैं. मसलन नई 1000 बसें कब आएंगी, इसकी तारीख का पता नहीं है. क्या 100 बसें राजस्थान सरकार खरीदेगी या अनुबंध पर ली जाएगी, यह भी अभी तय नहीं है. इसके अलावा राजस्थान रोडवेज़ के कर्मचारियों को वेतन कब मिलेगा इसका भी पता नहीं है. फिलहाल इन सभी सवालों का जवाब सरकार को देना है. बता दें कि साल के अंत में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, ऐसे में सरकार का रुख क्या रहता है यह भी देखना होगा.

इनसाइड

सीधी बस हादसे पर सियासत तेज, नेता प्रतिपक्ष बोले- परिवहन मंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उक्त घटना में जान गवाने वालों के निकटम परिजनों को 50 लाख रूपये एवं गंभीर रूप से घायलों को 25 लाख रूपये तथा साधारण घायलों को 10 लाख रूपये का मुआवजा देने की भी मांग सरकार से की है। इसके साथ ही इस घटना की न्यायिक जांच कराने की मांग भी की है। सीधे जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात बस दुर्घटना में प्रदेश में सियासत भी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने परिवहन विभाग को घटना के लिए जिम्मेदार बताते हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से इस्तीफा देने की मांग की है। साथ ही नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उक्त घटना में जान गवाने वालों के निकटम परिजनों को 50 लाख रूपये एवं गंभीर रूप से घायलों को 25 लाख रूपये तथा साधारण घायलों को 10 लाख रूपये का मुआवजा देने की भी मांग सरकार से की है। इसके साथ ही इस घटना की न्यायिक जांच कराने की मांग भी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने सीधी बस दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया एवं घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना भी की है।

परिवहन आयुक्त का दिशा निर्देश कितना न्यायिक और जनहित में....

दिल्ली परिवहन आयुक्त के द्वारा जनहित में जारी दिशा निर्देश, जाने कितना हितकारी

संजय बाटला

नई दिल्ली। मोटर वाहन नियम/कानून/अधिनियम के अनुसार अगर किसी वाहन को नियम की अवहेलना के खिलाफ़ सड़क पर चलते हुए नही अपितु विभाग की किसी शाखा द्वारा ऑनलाइन एप बेस्ड जांच के अंतर्गत नोटिस भेजा जाता हैं तो उस शाखा द्वारा समय सीमा में वाहन मालिक द्वारा जवाब नहीं प्राप्त होने पर नियम की धारा के अनुसार चालान बना कर कोर्ट में प्रस्तुत करना अनिवार्य है पर दिल्ली परिवहन विभाग की पीसीडी शाखा मोटर वाहन नियम को दरकिनार कर चालान बनाए बिना मोटर वाहन के सभी कार्यों को बंद करवा देते हैं यानी वाहन को ब्लैक लिस्ट करवा देते हैं और इसके प्रति वाहन मालिक को पता भी नहीं होता की उनका वाहन ब्लैक लिस्ट है।

वाहन मालिक को इस बात का पता तब चलता है जब वह अपने वाहन को अन्य किसी को बेचता है या समय सीमा पूरी होने पर वाहन की एनओसी के लिए एप्लीकेशन लगाना शुरू करता है।

मोटर वाहन नियम के अनुसार जिस दिन वाहन द्वारा गलती की जाती हैं उस दिन नियम के अंतर्गत निर्धारित जुर्माना जमा करवाना होता है एवम्‌ यही प्रक्रिया न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा भी अपनाई जाती है।

दिल्ली परिवहन आयुक्त की जनहित सोच इससे अलग है परिवहन आयुक्त द्वारा ज़ारी जनहित के दिशा निर्देश के तहत वाहन मालिक जिस दिन अपने वाहन को ब्लैक लिस्ट हटवाने के प्रति जागरूक हो उससे उस धारा के लिए उस दिन निर्धारित जुर्माना वसूलना होगा।

अब आप ही सोचे समझे और फैसला ले कितना जनहित का दिशा निर्देश जारी किया गया है परिवहन आयुक्त के द्वारा, यह फैसला जन हित या कानून के लिए है या दिल्ली सरकार के राजस्व में इज़ाफ़ा करने के लिए, ?

उदाहरण के स्वरूप आपकों बताते हैं,:- पीसीडी शाखा के कहने पर मॉल रोड परिवहन शाखा द्वारा DL 1CN 6461 को 20 दिसम्बर 2014 को मान्य प्रदुषण जांच प्रमाण पत्र कंप्यूटर डाटा बेस जांच में उपलब्ध नही होने के लिए ब्लैक लिस्ट करा और पीसीडी शाखा द्वारा जो नोटिस जारी किया गया उसमे जुर्माने के आगे 0 (जीरो) राशि लिखी हुई थी।

2014 को नियम के तहत मान्य प्रदुषण जांच प्रमाण पत्र नही होने पर जुर्माना था रुपए 1000 (एक हजार) जो नए नियम में हो गया रुपए 10000 (दस हजार)।

अब आप स्वयं सोचे समझे और फैसला करे

a. जिस गलती के लिए परिवहन विभाग ने चालान ही नहीं बनाया उसके तहत 1000 की जगह 10000 मांगना क्या जनहित के दिशा निर्देश है, ?

b. जिस गलती की जानकारी वाहन मालिक को है ही नहीं, क्या उस गलती के लिए जुर्माना भरने के लिए बाधित हो सकता है न्याय के अनुसार, ?

c. क्या परिवहन आयुक्त द्वारा ज़ारी दिशा निर्देश न्यायिक और जनहित में है, ?

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन अनुरोध करता है परिवहन विभाग मोटर वाहन नियम के अनुसार ही मोटर वाहन मालिक से जुर्माना वसूलने के दिशा निर्देश जारी करे ना की सरकार के राजस्व में इज़ाफ़ा करवाने के लिए अपनाए गए अन्याय पूर्वक तरीके से,

जनहित में जारी

स्कूली बच्चे की हत्या के मामले में 12 साल बाद गिरफ्तार हुआ बस ड्राइवर, नाम बदलकर घूमता रहा हत्यारा

एनटीवी संवाददाता

पुलिस ने कहा कि दर्ज शिकायत में बताया गया कि उसकी बेटी को एक बस कंडक्टर का फोन आया था. बस कंडक्टर ने उसे बताया कि उसके पास उसके भाई का स्कूल बैग है, उसे आकर ले जाइए.

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक ऐसे मामले का खुलासा हुआ है, जो एक दशक पुराना है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 12 साल बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार हुए शख्स पर एक स्कूली बच्चे के अपहरण और उसकी हत्या का आरोप है. स्कूली बच्चे की हत्या मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि 15 साल के एक लड़के को उसके स्कूल से अगवा करने और उसकी हत्या करने के एक दशक से अधिक समय बाद दिल्ली पुलिस ने इसी सप्ताह स्कूल के बस चालक को बिहार से गिरफ्तार किया.

READ MORE

2010 में मां ने दर्ज कराई थी शिकायत

पुलिस के मुताबिक, 27 अगस्त, 2010 को मृतक लड़के की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी. पुलिस ने कहा कि दर्ज शिकायत में बताया गया कि उसकी बेटी को एक बस कंडक्टर का फोन आया था. बस कंडक्टर ने उसे बताया कि उसके पास उसके भाई का स्कूल बैग है, उसे मेरे पास से आकर ले जाइये. इसके बाद मृतक लड़के की बहन ने कथित तौर पर उस बस कंडक्टर से संपर्क करने की कोशिश की. लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था. जब लड़का घर नहीं लौटा तो मां ने पुलिस से संपर्क किया.

रेलवे ट्रैक पर मिला था शव

पुलिस से संपर्क के दौरान मृतक लड़के की मां को पता चला कि ओखला और तुगलकाबाद रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर एक छात्र का शव मिला है. मां ने शव की पहचान अपने बेटे के रूप में की और पुलिस में जाकर अपहरण और हत्या का मामला दर्ज करवाया. पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी. इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान की, जिसमें एक स्कूल बस का चालक और दो बस के सहायक थे. लेकिन, इन तीनों आरोपियों में से कोई भी जांच के लिए नहीं आया. इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपियों के लिए इनाम की घोषणा की.

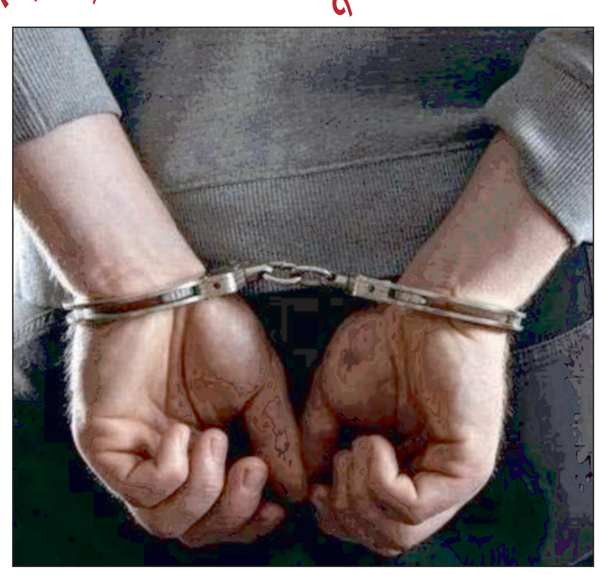

हिमाचल पथ परिवहन निगम अनुबंध आधार पर भरेगा चालकों के 276 पद

एनटीवी संवाददाता

शिमला। एचआरटीसी अनुबंध आधार पर चालकों के 276 पद भरेगा। इसके लिए दसवीं पास योग्यता के साथ वैद्य लाइसेंस और भारी वाहन चलाने का तीन साल का अनुभव होना अनिवार्य है।

हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) अनुबंध आधार पर चालकों के 276 पद भरेगा। इसके लिए दसवीं पास योग्यता के साथ वैद्य लाइसेंस और भारी वाहन चलाने का तीन साल का अनुभव होना अनिवार्य है। इन पदों के लिए गैर जनजातीय क्षेत्रों के आवेदक 7 मार्च और जनजातीय क्षेत्रों से संबंध रखने वाले आवेदक 14 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। एचआरटीसी के बेड़े में प्रदेश भर में खाली पड़े चालकों के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सामन्य वर्ग के 98 पदों में से सामान्य वर्ग से 27, सामान्य वर्ग स्वंतत्रता सेनानी वार्ड के 13 पद, सामान्य (खिलाड़ी) के 7 पद, अनुसूचित जाति के 50 पद, अनुसूचित जाति (बीपीएल) के 9, अनुसूचित जाति स्वतंत्रता सेनानी वार्ड के 5 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग के 28 पदों में से अन्य पिछड़ा वर्ग (बीपीएल) के 19 और अन्य पिछड़ा वर्ग स्वतंत्रता सेनानी के वार्ड 4 पद भरे जाएंगे।

ये रहेगी शैक्षणिक योग्यता

आवेदक की आयु 1 जनवरी 2023 को 18 से 45 के बीच होनी चाहिए। एससी और एसटी आवेदकों की आयुसीमा में 5 वर्ष की छूट होगी। लंबाई 160 सेंटीमीटर होनी चाहिए। एचआरटीसी का तीन वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। आवेदक शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो। किसी भी सक्षम अधिकारी की ओर से पूर्व में सेवा से अनुशासनात्मक आधार पर निष्कासित न किया गया हो या किसी भी विभाग से ऐच्छिक सेवानिवृति न ली हो। कोई केस

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

बस चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया जिसके चलते रेनू बस की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई।

मसूदपुर में DTC बस की टक्कर से महिला की मौत आरोपित चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एनटीवी संवाददाता

मसूदपुर फ्लाईओवर के पास DTC की बस द्वारा स्कूटीसवार दंपती को टक्कर मारने से महिला की मौत मामले में पुलिस ने आरोपित बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद 24 फरवरी को बस चालक ने फरार होने के प्रयास में महिला को कुचल दिया था।

नई दिल्ली। मसूदपुर फ्लाईओवर के पास दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस द्वारा स्कूटीसवार दंपती को टक्कर मारने से महिला की मौत मामले में पुलिस ने आरोपित बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद 24 फरवरी को बस चालक ने फरार होने के प्रयास में महिला को कुचल दिया था। इलाज के दौरान महिला की अस्पताल में मौत हो गई। वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने महिला के पति के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि पीड़ित कृष्ण पाल अपने परिवार के साथ दिल्ली कैंट के नांगल राय इलाके में रहता है। कृष्ण पाल ने पुलिस को बताया कि 24 फरवरी को वह अपनी पत्नी रेनू के साथ छतरपुर मंदिर गए थे। रात करीब नौ बजे वह अपनी स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मसूदपुर फ्लाईओवर के पास वह लालबत्ती होने के चलते रूके हुए थे। लालबत्ती पर ही दिल्ली परिवहन निगम की बस रूट संख्या 717बी का चालक तेजी से बस को लाया और स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी।

बस की टक्कर लगने के बाद कृष्ण पाल व उनकी पत्नी स्कूटी सहित नीचे गिर गए। बस चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया जिसके चलते रेनू बस की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। कृष्ण पाल ने मामले की सूचना पुलिस को दी और लोगों की मदद से अपनी पत्नी रेनू को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने रेनू को मृत घोषित कर दिया। उधर, बस चालक मौके पर बस को छोड़ कर फरार हो गया।

नजफगढ़ से हुई गिरफ्तारी

सूचना के बाद पहुंची वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर कृष्ण पाल के बयान पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच के बाद 25 फरवरी को पुलिस ने बस चालक मोहित को नजफगढ़ के खड़खड़ी गांव से गिरफ्तार कर लिया। मोहित पिछले तीन साल से डीटीसी में संविदा पर बस चालक था।

इनसाइड

मीनोपॉज के लक्षणों को कम करने के लिए महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मीनोपॉज (Menopause) होता है. इस दौरान कई महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे लक्षणों का अनुभव करती हैं. ऐसे में महिलाएं राहत पाने के लिए योनि मुद्रा (Womb gesture), हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra) और प्राण मुद्रा (Prana Mudra) का अभ्यास कर सकती हैं.

मीनोपॉज (Menopause) मासिक धर्म यानी मेंस्ट्रुअल साइकिल के खत्म होने और महिलाओं के रिप्रोडक्टिव हार्मोन (Reproductive hormone) में कमी आने का संकेत है. ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मेनोपॉज होता है. इसके कारण कई महिलाएं बहुत सारी समस्याओं का सामना करती हैं.

आपको बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मीनोपॉज के कारण महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे कुछ लक्षणों का अनुभव करती हैं. कुछ मामलों में नींद में गड़बड़ी भी हो सकती है. कुछ महिलाओं को चिंता या अवसाद भी अपना शिकार बना लेते हैं लेकिन इसके लक्षणों को कम करने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है.

आध्यात्मिक गुरु, योग-उद्यमी और लेखक, ग्रैंड मास्टर अक्षर (Grand Master Akshar) के अनुसार, योग एक 'होलिस्टिक सॉल्यूशन' देता है. उनके मुताबिक योग न केवल लक्षणों को आसानी से कम करने में कारगार है, बल्कि इस बदलाव के दौरान योग सपोर्ट सिस्टम भी प्रदान करता है. उन्होंने बताया कि आसन, प्राणायाम और ध्यान के साथ, कुछ मुद्राओं का अभ्यास मीनोपॉज के दौरान मददगार साबित हो सकता है. आइए, जानते हैं कि कौनसी 3 मुद्राएं महिलाओं को करनी चाहिए

महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

योनि मुद्रा (Womb gesture)

इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में बैठ कर किया जा सकता है. इसमें रीढ़ सीधी रहती है.
इसके लिए हाथों को गोद में लेकर आएं.
मिडिल, रिंग और छोटी उंगलियों को आपस में इंटरलॉक कर लें.
अंगूठे और तर्जनी उंगली को एक साथ दबाएं.
अब हीरे की आकृति बनाते हुए अंगूठे और तर्जनी को एक दूसरे से दूर ले जाएं.

हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra)

हकीनी मुद्रा को मन की मुद्रा भी कहा जाता है.
इसे सूर्योदय के दौरान करने की सलाह दी जाती है.
इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में किया जा सकता है.
इस मुद्रा का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को कुछ इंच की दूरी पर एक दूसरे के सामने लाएं.
दोनों हाथों की उंगलियों और अंगूठों को मिलाएं.
अब हाथों को माथे के पास तीसरे नेत्र चक्र के स्तर तक उठाएं.
यह भी पढ़ें- Women Psychology: प्यार करने वाली औरतों से जुड़े 5 मनोवैज्ञानिक फैक्ट्स

प्राण मुद्रा (Prana Mudra)

इस मुद्रा को दोनों हाथों की मदद से बनाया जाता है.
इसमें रिंग फिंगर के सिरे और छोटी उंगली को अंगूठे के सिरे से जोड़ना होता है.
बाकी सभी अंगुलियों को सीधा फैलाएं.
इस दौरान श्वास लें और श्वास छोड़ें.
क्रोनिक कंडिशन में इसका एक बार सुबह और एक बार शाम को 15 मिनट तक अभ्यास करें.
जानकारी के मुताबिक हर मुद्रा को कम से कम 5 मिनट के लिए करना चाहिए.

Girls Trip? बोरिंग हो जाता है, 8 फन एक्टिविटी से बनाएं यात्रा को मजेदार

अगर आप ये सोच रही हैं कि केवल सहेलियों के साथ ट्रिप मजेदार होगा या नहीं, तो बता दें कि आप कुछ मजेदार एक्टिविटीज़ को शामिल कर गर्ल ट्रिप को काफी मौज-मस्ती से भरा बना सकती हैं.

अगर आप अपनी गर्ल गैंग यानी सहेलियों के साथ कुछ अच्छा और मजेदार वक्त गुजारना चाहती हैं तो एडवेंचरस ट्रिप से बढ़िया कुछ हो नहीं सकता. लड़कियों की यात्रा नई चीज़ों को आज़माने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने और यादगार लम्हें जीने का सबसे अच्छा जरिया हो सकता है. इसके लिए जरूरी है कि आप कुछ खास आइडियाज़ के साथ ही प्लान बनाएं. मसलन, प्लान ऐसा हो जो आपके बोरिंग ट्रिप को भी मौज-मस्ती से भर दे. यहां हम कुछ ऐसे फन एक्टिविटीज़ से भरपूर आइडियाज़ लेकर आए हैं, जिसे आप अपने अगले गर्ल ट्रिप में आजमाकर उसे यादगार और मजेदार बना सकती हैं.

कॉस्ट्यूम थीम डिनर- मजेदार समय बिताने के लिए आप सभी मिलकर एक कॉस्ट्यूम डिनर प्लान कर सकती हैं. इसके तहत किसी एक थीम पर सभी सजकर खास प्लेस में डिनर प्लान करें, जैसे स्कूल डेज, कसीनो पार्टी या कुछ और.

रेंट पर लें बाइक या कार- आप ऐसी जगह पर जाने का प्लान बना सकती हैं, जहां आप आसानी से रेंट पर बाइक या गाड़ी ले सकें. इसकी मदद से आप अपनी पसंदीदा जगहों और शहर को एक्सप्लोर कर सकेंगी और सहेलियों के साथ मजेदार वक्त गुजारेंगी.

साथ करें कुकिंग- आप एक ऐसा घर बुक करें जहां किचन की व्यवस्था हो. यहां आप कुछ नई रेसिपी ट्राई कर सकती हैं और बेकिंग प्रतियोगिता भी कर सकती हैं. आप साथ में कुकिंग क्लास भी ज्वाइन कर सकती हैं.

स्पा का लें आनंद- सभी सहेलियां मिलकर एक दिन स्पा डे सेलिब्रेट कर सकती हैं. इसके लिए बेहतर होगा कि आप पहले से ही ऐसे स्पा को बुक कर लें, जहां सभी दोस्त एक साथ मालिश, मेनीक्योर, पेडिक्योर, फेशियल आदि करा सकती हों.

जुम्बा क्लास करें ट्राई- अपने वेकेशन के एक या दो दिन आप सभी मिलकर किसी जुम्बा क्लास को ट्राई कर सकती हैं. यकीन मानिये, ये काफी मजेदार होगा. आप चाहें तो योग या स्विमिंग क्लास भी साथ में कर सकती हैं.

हाइकिंग करें- आप अपने ट्रिप में एक हाइकिंग एक्टिविटी को भी शामिल करें. पहाड़ों, नदियों और पेड़-पौधों के बीच आप सभी काफी एन्जॉय कर सकती हैं. यहां आप तरह तरह की सेल्फी का मजा भी लें.

इसे भी पढ़ें : वर्किंग वूमन ऑफिस जाने से पहले बैग में जरूर रखें 7 चीजें, कई काम होंगे आसान

पिकनिक करें अरेंज- आप किसी पार्क या खुली जगह में पिकनिक भी अरेंज कर सकती हैं. यहां आप खाने-पीने के अलावा, खुले आसमान के नीचे लेटना, जोर-जोर से गाना, गेम आदि खेलने का आनंद उठा सकती हैं.

शॉपिंग जरूरी- आप लोकल मार्केट में शॉपिंग का प्लान बनाएं और कुछ ऐसी चीजें खरीदें जिसे आप सभी ट्रिप के दौरान साथ में पहनकर घूम सकें. मसलन, एक जैसा टीशर्ट, सनग्लास या एक जैसे जूते आदि.

प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने रहना है हेल्दी और मेंटली स्ट्रॉन्ग, तो महिलाएं जरूर फॉलो करें ये 10 टिप्स

प्रेग्नेंसी के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु (Baby) की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत (Health) के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें.

मां बनने का अहसास दुनिया का सबसे खुशनुमा अहसास होता है, लेकिन जरा सी भी लापरवाही बरती जाए, तो प्रेग्नेंसी (Pregnancy) के पूरे नौ महीने तकलीफदायक भी हो सकती है. प्रेग्नेंसी को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा गया है, पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही. इसमें पहली और तीसरी तिमाही काफी नाजुक होती है. इस पीरियड के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें. यहां हम आपको कुछ टिप्स (How to stay fit during pregnancy) बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप खुद को रख सकती हैं हेल्दी और फिट'.

हेल्दी प्रेग्नेंसी के 10 टिप्स

1 टीओआई की खबर के अनुसार, गर्भावस्था के पूरे 9 महीने खानपान में कोई भी लापरवाही ना बरतें. आप जो भी खाएंगी वो आपके शिशु को भी लगेगा. अक्सर, प्रेग्नेंसी के पहले महीने में कुछ महिलाओं को उल्टी, मितली, भूख न लगना, थकान जैसी परेशानियां होती हैं, जिससे उनका खानपान भी गड़गड़ हो जाता है. अपने डाइट में हल्की भुनी पसंदीदा सब्जियों को शामिल करें. फाइबर से भरपूर सब्जियां, फल खाएं. हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों के सेवन से आपका शिशु भी हेल्दी होगा.

2 प्रेग्नेंसी के दिनों में शरीर में आयरन की कमी न होने दें. अक्सर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है, जिससे उनमें खून की कमी हो जाती है. वे एनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. आयरन से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करें. इसके अलावा, विटामिन सी के साथ आयरन लें ताकि शरीर में आयरन एब्जॉर्प्शन सही हो सके. आप दाल, फल, मीट खाएं. नींबू पानी, संतरा का जूस पीकर भी आयरन एब्जॉर्प्शन को बढ़ा सकती हैं.

3 आप खुद को हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें. अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और बीच-बीच में पानी पीती रहें. साथ ही नारियल पानी, स्मूदी, फलों से तैयार जूस और शेक्स भी पी सकती हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो. डाइट में उन फलों को शामिल करें, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है. खीरा, खरबूज, टमाटर, लौकी, तरबूजा आदि खाएं, खासकर गर्मी के सीजन में. इतना ही नहीं

4 फॉलिक एसिड का सेवन भी प्रेग्नेंसी के दिनों में बहुत जरूरी होता है. इसे आप हरी पत्तेदार सब्जियों, दालें, फोर्टिफाइड अनाज के सेवन से पा सकती हैं. प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में आपको फॉलिक एसिड सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत होगी, क्योंकि यह भ्रूण को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है.

5 दिन भर में हेल्दी स्नैक्स का सेवन करना भी है जरूरी. इसके लिए आप रोस्टेड बादाम, काजू खाएं. ड्राई खुबानी, प्रोटीन बार्स, सीरियल बार्स अपने साथ रखें और थोड़े-थोड़े गैप में खाती रहें.

6 हेल्दी प्रेग्नेंसी तभी संभव है, जब आप प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेंगी. सारा दिन काम करके शरीर थक जाता है, ऐसे में आराम करना भी जरूरी है. गर्भवास्था में बायीं करवट लेकर सोएं. बायीं करवट में सोने से शरीर में रक्त प्रवाह सही से होता है और पेट पर दबाव भी कम पड़ता है. एक बात का ध्यान रखें कि आपका बिस्तर और तकिया कंफर्टेबल हो.

7 शारीरिक रूप से एक्टिव रहें, कुछ हल्के एक्सरसाइज, योग करें. प्रतिदिन रात में डिनर करने के बाद 15-30 मिनट टहलें. इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहेगा. आप फिजिकली और इमोशनली फिट महसूस करेंगी. डिलीवरी के समय अधिक समस्या नहीं होगी.

8 प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए जैसे कच्चा या अधपका मांस, कच्चा अंडा, पपीता. उबला अंडा खा सकती हैं, पर ध्यान रखें कि पीला वाला भाग अच्छी तरह से पक गया हो.

9 बहुत ज्यादा किसी बात को लेकर चिंतित या स्ट्रेस में न रहें. इससे मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंच सकता है. यदि आपको डिलीवरी के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर अभी से स्ट्रेस, डर बैठ गया है, तो इससे उबरने के लिए योग, डीप-ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें. स्ट्रेस मैनेज करने के लिए टहलें, स्ट्रेचिंग करें.

10 प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत अधिक चाय, कॉफी पीने से बचें. कॉफी में मौजूद कैफीन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. बेहतर है की आप नींबू वाली चाय, हर्बल टी या कैफिन रहित ड्रिंक्स का सेवन करें.

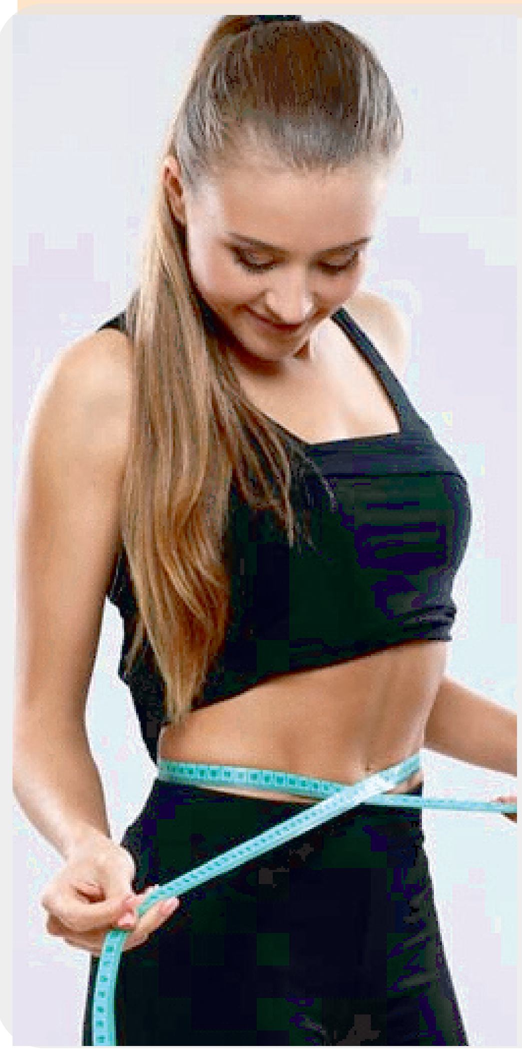

महिलाओं में वजन बढ़ना कई बीमारियों की है वजह, हो सकती हैं ये 8 शारीरिक और मानसिक समस्याएं

सिर्फ मोटापे (obesity) की वजह से लाखों महिलाएं (women) जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं मोटापे को दूर रखें और सक्रिय रहकर एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक (Physical) और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

पुरुषों की तुलना में मोटापे (obesity) की समस्या महिलाओं (women health) में अधिक देखने को मिलती है. मोटापा आमतौर पर चलने फिरने की कमी, असक्रिय लाइफ स्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, हार्मोनल बदलाव आदि के कारण हो सकता है. मोटापे के कारण महिलाओं में कई शारीरिक (Physical) और मानसिक (Mental) समस्याएं हो सकती हैं. मोटापे की वजह से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हार्ट हेल्थ प्रभावित हो सकती है. जबकि नॉर्मल लाइफ में उन्हें चलने, फिरने, उठने, बैठने और अपने दैनिक कामों में भी परेशानी आ सकती है. यही नहीं, वजन के अनियंत्रित होने से मन और दिमाग पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. अधिक मोटापे से महिलाओं में अनिद्रा, तनाव और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं देखने को मिलती हैं. साथ ही कई महिलाएं बॉडी शेमिंग की वजह से अपना आत्मविश्वास खो देती हैं.

यूएस वुमंस हेल्थ के मुताबिक, सिर्फ मोटापे की वजह से लाखों महिलाएं जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

महिलाओं में मोटापे से होने वाली समस्याएं

हार्ट संबंधी समस्याएं

दरअसल वजन बढ़ने के कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और हाई बीपी के कारण हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है. इससे शरीर में कई और परेशानियां भी हो सकती हैं और आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं.

डायबिटीज

मोटापे के कारण ब्लड में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. यह आपके शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

वजन बढ़ने से महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है और ब्लड सर्कुलेशन के लिए हार्ट पर अधिक दबाव पड़ने से हार्ट और रक्त वाहिकाओं दोनों को नुकसान पहुंच सकता है और ब्रेन हैमरेज का खतरा भी हो सकता है.

डिप्रेशन

ज्यादातर किशोरावस्था में लड़कियों में देखा जाता है कि मोटापा बढ़ने से उनमें बॉडी शेमिंग जैसी फीलिंग्स आ जाती है और धीरे-धीरे वे चिंता और डिप्रेशन में चली जाती हैं.

फैटी लीवर प्रॉब्लम

फैटी लीवर में आपके लीवर में फैट बनने लगता है और आपको कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं. यह ऑयली फूड, कैलोरी और फ्रूक्टोज के कारण भी हो सकता है. मोटापा और डायबिटीज फैटी लीवर के मुख्य कारणों में से एक है.

किडनी प्रॉब्लम

मोटापे के कारण किडनी में भी परेशानी हो सकती है. इससे ब्लड फिल्टर करने में परेशानी आती है और डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी बढ़ सकती है.

अनिद्रा की समस्या

महिलाओं को कई बार रात में अच्छे से नींद नहीं आती. इसकी वजह बढ़े वजन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

मूड स्वींग

मोटापे के कारण आपके शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव भी आ सकते हैं जिसके कारण मूड स्विंग हो सकता है. कभी-कभी मूड स्विंग होने पर महिलाएं बहुत ज्यादा खाना खाने लगती हैं, जिससे आपकी समस्या और बढ़ सकती है.

स्टैंडिंग कमेटी चुनाव में दोबारा वोटिंग पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, CCTV फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश

एनटीवी संवाददाता

हाईकोर्ट ने एमसीडी की स्थायी समिति के सदस्यों के फिर से चुनाव पर रोक लगा दी है। स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में वोटों की गिनती शुक्रवार को उस समय बाधित हो गई थी जब भाजपा ने एक मत को अमान्य किए जाने पर आपत्ति जताई। जिसके बाद सदन में पार्षदों के बीच हाथापाई भी हुई।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी की स्थायी समिति के छह सदस्यों के 27 फरवरी को फिर से चुनाव कराने पर रोक लगा दी है। अदालत ने भाजपा पार्षद शिखा राय और कमलजीत सेहरावत की ओर से शनिवार को दायर याचिका पर मेयर, एलजी ऑफिस और एमसीडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके अलावा कोर्ट ने मेयर को मतपत्रों ,सीसीटीवी फुटेज के अलावा 24 फरवरी को हुए चुनाव से जुड़ी जानकारियों को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति गौरंग कंठ ने अदालत की छुट्टी के दिन एक विशेष सुनवाई में कहा कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि 24 फरवरी को हुए चुनाव के परिणाम घोषित किये बगैर महापौर सोमवार को नए सिरे से चुनाव करा रही हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि महापौर निर्वाचन अधिकारी भी हैं।

कोर्ट ने कहा कि मेयर शैली ओबरॉय का पहले हुए चुनाव का परिणाम घोषित किए बगैर नए सिरे से चुनाव करना नियमों (रेगुलेशन 51- न्यू दिल्ली म्यूनिसपल कॉरपोरेशन रेगुलेशन, 1997) का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि नियमों के मुताबिक मेयर को यह अधिकार ही नहीं है कि वह स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों चुनाव को इस तरह अमान्य घोषित कर दें। कोर्ट ने कहा कि 27 फरवरी को चुनाव कराने से कुछ हासिल नहीं होगा। लिहाजा अदालत मेयर के 24 फरवरी को जारी नोटिस पर अगली सुनवाई तक रोक लगा रही है।

शुक्रवार को पार्षदों के बीच हुई हाथापाई

मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के बाद दिल्ली नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों के चुनाव के दौरान जो मंजर बुधवार की शाम से लेकर गुरुवार की सुबह तक सदन में देखने को मिला वहीं नजारा एक बार फिर शुक्रवार को भी दिखा। स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों के चुनाव में वोटों की गिनती शुक्रवार को उस समय बाधित हो गई जब बीजेपी ने एक मत को अमान्य किए जाने पर आपत्ति जताई। आप और बीजेपी के सदस्य टेबल पर चढ़ गए और एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। बात बढ़ते-बढ़ते हाथापाई तक जा पहुंची। दोनों पार्टियों के पार्षदों के बीच जमकर मारपीट हुई। यहां तक महिला पार्षद भी इसमें पीछे नहीं रहीं। उन्होंने आपस में एक दूसरे के बाल खींचे। यहां तक पुरुष पार्षदों पर चप्पल से हमला किया।

पार्षदों ने सारी हदें पार करते हुए एक दूसरे के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। कई पार्षदों को गंभीर चोटें आईं। महिला पार्षदों के साथ धक्का मुक्की व अभद्रता हुई। कई पार्षदों के कपड़े फट गए। एक दूसरे पर जूते चप्पल बरसाए गए। जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के इस तरह के बर्ताव से पूरी दिल्ली आहत है। वोटों की गिनती के दौरान मचा घमासान देखते ही देखते चरम पर पहुंच गया। इसके कारण मेयर ने पूरी चुनाव प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद सोमवार को फिर से स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई गई थी।

ब्रीफ न्यूज

55 लाख रुपये के लिए कश्मीरी को किया किडनैप, 6 घंटे में पुलिस ने पंजाब से किया अरेस्ट

दिल्ली पुलिस ने कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति के किडनैपिंग केस के 6 घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने पंजाब पुलिस की मदद से दो किडनैपर्स को महज 6 घंटे के भीतर ही अरेस्ट कर लिया। नॉर्थ दिल्ली के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने इसकी जानकारी दी।

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने राजधानी से अगवा हुए एक कश्मीरी व्यक्ति को महज 6 घंटे के भीतर ही छुड़वा लिया। पुलिस ने पंजाब पुलिस की मदद से किडनैपर्स को पंजाब के फगवाड़ा से अरेस्ट किया। मामला 55 लाख के रुपये के लेनदेन से जुड़ा था। पीड़ित ने मामले में गिरफ्तार लोगों से पैसे लिए थे जिसे वह अब नहीं लौटा रहा था। इसके बाद से आरोपियों ने उसे अगवा कर पैसे की वसूली का षड्यंत्र रचा था। इस मामले में पुलिस के पास कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई थी। कॉल करने वाले का कहना था कि मेरे जीजा सैयद तारीख को कुछ कश्मीरी लोग कश्मीरी गेट के पास से उठा कर ले गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान

पीसीआर पर कॉल मिलने के बाद से पुलिस एक्टिव हो गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां कोई नहीं था। इसके बाद पुलिस ने आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू की। पुलिस को जांच में पता लगा कि कश्मीरी गेट में हरे रामा ट्रैवल्स के पास दो लोग एक व्यक्ति को अगवा कर ले गए हैं। किडनैपर्स ने इसके लिए टैक्सी नंबर की कार का यूज किया था। सीसीटीवी के अनुसार पता लगा कि किडनैपर्स कश्मीरी गेट से जीटी करनाल रोड की तरफ गए हैं। इसके बाद हरियाणा और पंजाब पुलिस को सूचित किया गया। इस क्रम में पंजाब पुलिस के सहयोग से किडनैपर्स को पंजाब के फगवाड़ा के पास से गिरफ्तार किया गया।

छठी से आठवीं तक के छात्रों के लिए शुरू किया जा रहा है द लैंग्वेंज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय के अनुसार सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भारत की भाषाओं का परिचय देने के लिए द लैंग्वेज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों को भारतीय भाषाओं को खेल-खेल में समझाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए स्कूलों में छठी से आठवीं तक के बच्चों के लिए द लैंग्वेज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को शब्दों का खेल जिसमें भाषाओं के विभिन्न लोकप्रिय शब्दों का अर्थ, विभिन्न भाषाओं में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्थानीय क्षेत्रीय पर्वों को मनाना एवं प्रार्थना सभा में उनका महत्व बताना जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी।

शिक्षा निदेशालय के अनुसार सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भारत की भाषाओं का परिचय देने के लिए द लैंग्वेज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति छठी से आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए भाषा सीखने पर जोर देती है।

इस प्रोजेक्ट की गतिविधियों में खेल के रूप में बच्चे हिस्सा ले सकेंगे। यह प्रोजेक्ट छात्रों को भारत की एकता के बारे में समझ पैदा करेगा बल्कि उन्हें भारत की सुंदर सांस्कृतिक विरासत के बारे में भी जागरूक करेगा। इसके तहत होने वाली गतिविधियां आनंददायक होंगी और इसके लिए बच्चों का आकलन नहीं किया जाएगा।

निदेशालय का कहना है कि संबंधित भाषा के शिक्षक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे छात्रों को भारत की विभिन्न भाषाओं में आमतौर पर बोले जाने वाले वाक्यांशों और वाक्यों को जानने में मदद मिलेगी, शास्त्रीय भारतीय भाषाओं की शब्दावली को जानेंगे, अक्षरों और वाक्यों की संरचनाओं को व्यवस्थित करने में भी सक्षम होंगे।

चित्र, पोस्टर से भाषाओं के बारे में बताया जाएगा

प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्कूलों में बच्चों के लिए शब्दों का खेल आयोजित होंगे, जिसमें उन्हें भाषाओं के विभिन्न लोकप्रिय शब्दों के अर्थ शामिल होंगे। वहीं, स्कूलों को स्थानीय क्षेत्रीय पर्वों को मनाना होगा और प्रार्थनासभा में उनका महत्व बताया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न भाषाओं में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। साथ ही वार्षिक समारोहों के दौरान विभिन्न भाषाओं के चित्र, फोटोग्राफ व नृत्य, संगीत के माध्यम से भाषा के संबंध में बताया जाएगा।

आतंकी ट्रेनिंग लेने पाकिस्तान जाने वाले दो युवक गिरफ्तार , पाकिस्तान के हैंडलरों से संपर्क में थे दोनों

एनटीवी संवाददाता

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के ठाणे निवासी 21 वर्षीय खालिद मुबारक खान और तमिलनाडु के कालिया कुल्ला निवासी 26 वर्षीय अब्दुल्ला उर्फ अब्दुर रहमान के तौर पर हुई है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी ट्रेनिंग लेने के लिए पाकिस्तान जाने की तैयारी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों युवक पाक स्थित हैंडलर के संपर्क में थे। पुलिस ने दोनों को लालकिला के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो पिस्टल, दस जिंदा कारतूस, एक चाकू और एक तार कटर बरामद किया है। सेल इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के ठाणे निवासी 21 वर्षीय खालिद मुबारक खान और तमिलनाडु के कालिया कुल्ला निवासी 26 वर्षीय अब्दुल्ला उर्फ अब्दुर रहमान के तौर पर हुई है। पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि सेल को खुफिया सूचना मिली कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए पाक के हैंडलर्स के संपर्क में है। उन्हें कट्टरपंथी बनाया जा रहा है। उन्हें भारत में आतंकी हमला करने के लिए उकसाया जा रहा है। साथ ही उन्हें आतंकी ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान आने का न्यौता दिया जा रहा है।

इस सूचना के बाद स्पेशल सेल की टीम लगातार ऐसे लोगों पर निगरानी रख रही थी। 14 फरवरी सेल को सूचना मिली कि पाकिस्तान जाने के लिए मुंबई से दिल्ली आ रहे हैं। वह पाकिस्तान के हैंडलर की मदद से आतंकवादी प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान जाएंगे। निगरानी के दौरान पता चला कि वह लाल किले के पीछे रिंग रोड के पास आने वाले हैं। जहां उन्हें किसी से मिलना है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने लाल किले के पीछे रिंग रोड पर घेराबंदी कर दी और वहां पहुंचे दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार मिला। पुलिस ने युवकों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि गिरफ्तार युवकों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच कर आगे की जांच कर रही है।

पुलिस थानों में सीसीटीवी अनिवार्य : सुप्रीम कोर्ट केंद्र व राज्य 29 मार्च तक स्टेट्स रिपोर्ट पेश करें

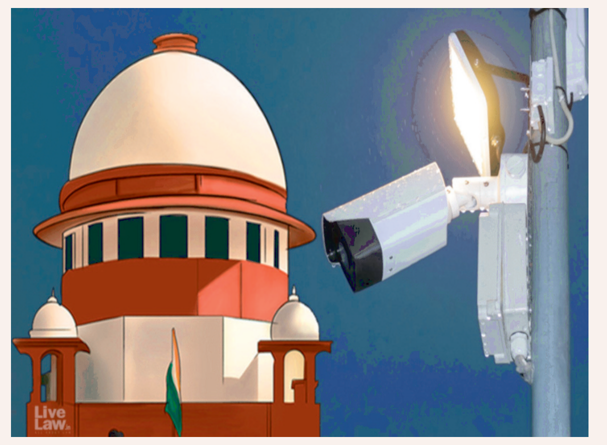

एसठी सेठी

एनटीवी। नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने के अपने 2020 के आदेश पर अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर केंद्र, केंद्र शासित प्रदेशों और राज्य सरकारों को चेतावनी दी है। कोर्ट ने 29 मार्च तक केंद्र, राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों की सरकारों को इस आदेश के अनुपालन की स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस रॉइंटन अली नरीमन की अगुवाई वाली बैंच ने दिसंबर 2020 में ये आदेश सभी पुलिस थानों ,पुलिस और केंद्रीय जांच ऐजेंसियों मसलन (सीबीआई, ईडी,एनआईए) जिन्हें गिरफ्तारी का अधिकार मिला है ।उनके आफिस सीसीटीवी कैमरे की नजर में रखने का आदेश दिया था। ये मामला जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस संजय करोल की बैंच के सामने आया था। लेकिन अब तक इस आदेश का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित नहीं हुआ है। वरिष्ठ वकील सिद्दार्थ दवे ने कोर्ट को बताया कि अधिकतर पुलिस थाने और ऑफिस अभी भी सीसीटीवी कैमरों के बिना ही काम हो रहा है ।साथ ही कहा कि विचाराधीन आरोपियों और हिरासत में लिए गए आरोपियों के साथ मनमाना बर्ताव होता है, लेकिन उसका कोई सबूत नहीं होता । कोर्ट इस मामले की सुनवाई 18 अप्रैल को करेगा। लेकिन इस बीच कोर्ट ने राज्य और केंद्र शासित राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आदेश और इसके अनुपालन के बारे.में सुनिश्चित कर रिपोर्ट दाखिल करने पर निगरानी भी रखें। कोर्ट ने साल 2020 में अपने आदेश में कहा था कि पुलिस स्टेशन, जांच एजेंसियों के दफ्तरों के प्रवेश और निकास द्वार, थानों के मुख्य गेट के बाहर ,गलियारों, बरामदों, स्वागत कक्ष, हवालात, पुलिस अधिकारियों के कक्ष, आउट्-हाउस, शौचालय के.बाहर, और थाना या दफ्तर परिसर के पीछे सीसीटीवी कैमरे का सिस्टम 24 घंटे 365 दिन नाइट विजन सिस्टम और ऑडियों वीडियो रिकार्डिंग के साथ कार्यरत रहें, ताकि कस्टडी में पूछताछ के नाम पर हिरासत का टॉरचर रोका जा सके।

कड़ी सुरक्षा के बीच चलाया गया अतिक्रमण अभियान, फुटपाथ पर दो धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर

लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचों को हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस पर अदालत के आदेश हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने शनिवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच मध्य दिल्ली में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। फुटपाथ पर बने दो धार्मिक स्थलों पर बुलडोजर चला। यहां फुटपाथ पर चलने वालों को समस्या हो रही थी। लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचों को हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस पर अदालत के आदेश हैं। 29 सितंबर, 2009 के एक आदेश में, सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि सड़कों और पार्कों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत धार्मिक संरचनाओं की संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा मामला-दर- मामला समीक्षा की जाएगी और तेजी से उचित कदम उठाए जाएंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 मार्च, 2022 को एक आदेश में कहा कि संबंधित सरकार सार्वजनिक भूमि पर मौजूद सभी अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए कर्तव्यबद्ध थी।

सीबीआई दफ्तर पहुंचेंगे मनीष सिसोदिया, इन मार्गों पर जाने से बचे; पुलिस ने किए सुरक्षा के इंतजाम

मनीष सिसोदिया के साथ आम आदमी पार्टी के भारी संख्या में समर्थकों के आने की संभावना है। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। करीबन डेढ़ हजार पुलिसकर्मियों को सीबीआई मुख्यालय के आसपास तैनात किया गया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने रविवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया है। ऐसे में उप मुख्यमंत्री के साथ आम आदमी पार्टी के भारी संख्या में समर्थकों के आने की संभावना है।

इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। करीबन डेढ़ हजार पुलिसकर्मियों को सीबीआई मुख्यालय के आसपास तैनात किया गया है। भारी संख्या में समर्थकों के आने की संभावना को देखते हुए लाला लाजपत राय मार्ग समेत लोधी कॉलोनी स्थित सीजीओ कंपलेक्स के आसपास स्थित सभी मार्गों को सुबह बंद कर दिया जाएगा। इसके लिए दिल्ली पुलिस ने प्लान तैयार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस तरह की जानकारी मिली है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहले राजघाट जाएंगे। उसके बाद वह सुबह 11 बजे सीबीआई मुख्यालय पहुंचेंगे। यह संभावना जताई जा रही है कि उनके साथ भारी संख्या में समर्थकों के आने की संभावना है। समर्थक किसी तरह का हंगामा न करें इसे रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले पर शनिवार देर रात तक नजर रखे हुए थे और रणनीति बनाने मे लगे हुए थे।

केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ का हाल जानने पहुंचे वीके सिंह, घुटने की सर्जरी के लिए हुए थे भर्ती

एनटीवी न्यूज

अस्पताल के ऑपरेशनल हेड डॉक्टर सुनील डागर ने बताया कि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे के बाएं पैर में घुटने का दर्द लगातार बढ़ रहा था। उन्हें चलने फिरने में भी दिक्कत महसूस होती थी। घुटने की सर्जरी के लिए वह 18 फरवरी को अस्पताल में भर्ती हुए थे।

साहिबाबाद के कौशांबी के यशोदा अस्पताल में भर्ती केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे का शनिवार दोपहर सांसद वीके सिंह स्वास्थ्य हाल जानने के लिए पहुंचे। उन्होंने मंत्री से कुछ देर बात कर घुटने की सर्जरी के बारे में पूछा। इससे पहले अस्पताल के एमडी डॉक्टर पी एन अरोड़ा ने सांसद को बुके देकर उनका स्वागत किया। अस्पताल के ऑपरेशनल हेड डॉक्टर सुनील डागर ने बताया कि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे के बाएं पैर में घुटने का दर्द लगातार बढ़ रहा था। उन्हें चलने फिरने में भी दिक्कत महसूस होती थी। घुटने की सर्जरी के लिए वह 18 फरवरी को अस्पताल में भर्ती हुए थे। यहां उनका कई विभागों से डॉक्टरों की टीम उपचार में लगी है। चार दिन पहले उनके घुटने का सफल ऑपरेशन किया गया था। इसके बाद केंद्रीय मंत्री को डॉक्टरों की निगरानी में लगातार उपचार दिया जा रहा है। फिलहाल चिकित्सकों ने उन्हें दो से तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी देने के लिए कहा है।

इस बीच केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने मंत्री महेंद्र नाथ पांडे का हाल जाना। वह यहां अस्पताल में करीब आधा घंटे मंत्री के साथ रुके थे। अस्पताल के एमडी डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने सांसद को केंद्रीय मंत्री के उपचार की जानकारी दी।

शालीमार गार्डन चौकी के पास ट्रांसपोर्टकर्मी की पत्नी से दो टप्पेबाजों ने ठगे टॉप्स व बाली

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन निवासी ऊषा शर्मा सिलाई का काम करती हैं जबकि उनके पति बॉर्डर पर ट्रांसपोर्ट की एक कंपनी में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। साहिबाबाद स्थित शालीमार गार्डन चौकी के पास ट्रांसपोर्टकर्मी की पत्नी से दो टप्पेबाज टॉप्स व बाली ठग कर ले गए। टप्पेबाजों ने महिला को हरिद्वार के बड़े संत होने का हवाला देकर सभी घरेलू परेशानी दूर होने की बात कहकर विश्वास में लिया। टप्पेबाज हाथ में मिट्टी थमाकर फरार हो गए। महिला ने शालीमार गार्डन चौकी जाकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने महिला से बिना तहरीर लिए टरका दिया। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन निवासी ऊषा शर्मा सिलाई का काम करती हैं जबकि उनके पति बॉर्डर पर ट्रांसपोर्ट की एक कंपनी में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। ऊषा ने बताया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे घर से वर्द्धमान अस्पताल के पास साड़ी का फॉल लेने गईं थी। रास्ते में दो युवक मिले।

गोकशी कर जंगल में फेंके अवशेष, हिंदू युवा वाहिनी समेत कई संगठन मौके पर पहुंचे, पुलिस बल तैनात

गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना पाकर हिंदू युवा वाहिनी समेत कई संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी क्षेत्र में गोकशी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पांच गोवंश को काटकर उनके अवशेष मसूरी क्षेत्र के गांव सिकरोड़ा के जंगल में फेंक दिया। खेत मालिक जब खेत पहुंचे तो उन्होंने अवशेष देख पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना पाकर हिंदू युवा वाहिनी समेत कई संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। एसीपी मसूरी निमिष पाटिल ने बताया कि मौके पर चिकित्सक बुलवाकर पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में झांसी फ्रेंचाइजी का सरगना को कोर्ट ने भेजा जेल, कई देशों से जुड़े थे आरोपी के तार

नोएडा के सेक्टर-108 स्थित कोठी में महादेव बुक एप के माध्यम से नोएडा में ऑनलाइन सट्टेबाजी का गिरोह संचालित कर रहे झांसी फ्रेंचाइजी के सरगना सचिन सोनी को सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नोएडा। सेक्टर-108 स्थित कोठी में महादेव बुक एप के माध्यम से नोएडा में ऑनलाइन सट्टेबाजी का गिरोह संचालित कर रहे झांसी फ्रेंचाइजी के सरगना सचिन सोनी को सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपित अंतरराष्ट्रीय गेमिंग फ्राड गिरोह का इंडिया का हेड है। आरोपित ने सेक्टर-168 स्थित द गोल्डन पाम सोसायटी में किराये पर फ्लैट ले रखा था, जहां से आरोपित ऑनलाइनसट्टेबाजी के गिरोह पर नजर बनाए रखता था। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर एक विभिन्न जगह पर दबिश देकर एक लैपटाप, एक स्मार्ट फोन, पांच फर्जी आधार कार्ड, कोठी का अनुबंध बरामद किया है। गिरोह में शामिल 16 सदस्यों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। आरोपित ने अपने झांसी के तीन साथी अंसफ, आरिफ मंसूरी व नीरज गोस्वामी के नाम भी बताए। नोएडा पुलिस को उसने पूछताछ के दौरान बताया कि अंसफ की झांसी में बहुत प्रापर्टी है। पुलिस उसके बयान को क्रास चेक कर रही है। भोपाल के निक्की गुप्ता के गिरोह में शामिल होने की बात कही है। आरोपित इंडिया हेड के तौर पर नोएडा का काम देखता था। वहीं, नीरज गोस्वामी मैनेजमेंट देखता था। नीरज अभी बैंकाक में है। नीरज का दुबई में बैठे मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर से संबंध है। जेल जा चुके आरोपित अलग-अलग शिफ्ट में काम करते थे।

एलिवेटेड रोड पर डिवाइडर से टकराई अनियंत्रित कार, हादसे में युवती की मौत

एनटीवी

नोएडा स्थित एलिवेटेड रोड पर बीते रात एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा गई। कार चला रही युवती की हादसे में मौत हो गई है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद फिर मृतक के शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-24 कोतवाली क्षेत्र स्थित एलिवेटेड रोड पर शुक्रवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार सवार एक युवती की हादसे में मौत हो गई, जबकि पांच अन्य युवक-युवतियों को मामूली चोट आई है। घायलों का नजदीक के अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों के स्वजन को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। मृतक युवती की पहचान ग्वालियर के दर्पण कालोनी की भूमिका जादौन के रूप में हुई है, जो नोएडा स्थित एक कंपनी में काम करती थी। घटना के बाद अल्प समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। क्षतिग्रस्त कार को पुलिस ने सड़क के किनारे कर यातायात को सामान्य कराया। देर रात सेक्टर-18 में पार्टी करने के बाद सेक्टर-62 की तरफ जा रहे थे कार सवार। घटना के समय सभी लोगों के नशे में होने की बात कही जा रही है। शुक्रवार रात साढ़े 12 बजे हुआ हादसा।

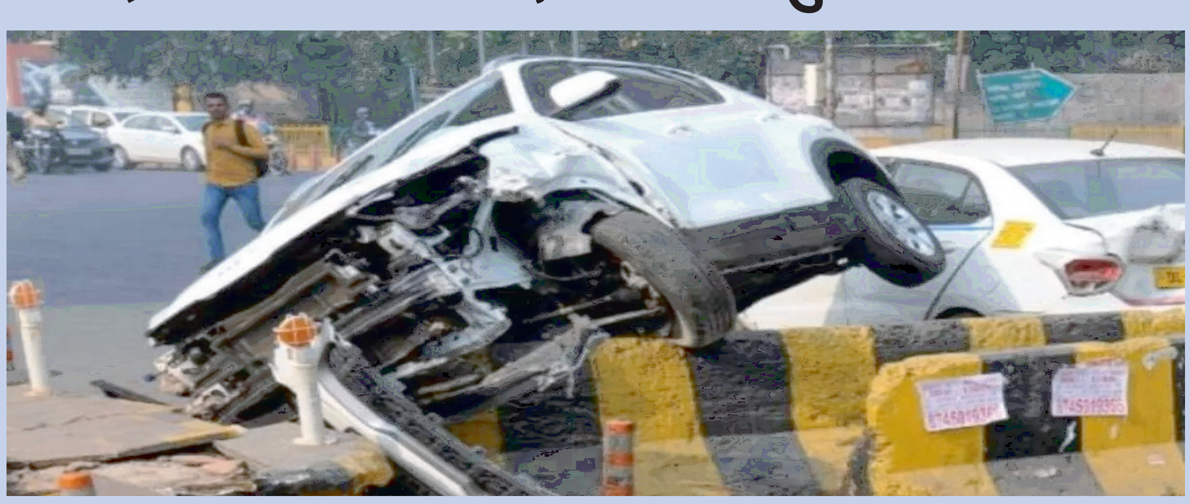

ब्रीफ न्यूज

हाइपर सुपर मार्केट की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर की करोड़ों की ठगी, ED ने दर्ज किया मनी लांड्रिग का केस

हाइपर सुपर मार्केट की फ्रेंचाइजी देकर ठगी करने वाला गिरोह कोरोना से पहले से पहले सक्रिय हुआ था। गिरोह में शामिल आरोपितों ने हाइपर मार्ट की फ्रेंचाइजी के अलावा मिडवे कैफे वेस्टलैंड साउथ लैंड डच फ्रस्टर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बनाकर सैकड़ों लोगों से पैसे ले लिए थे।

नोएडा। हाइपर सुपर मार्केट की फ्रेंचाइजी देकर ठगी करने वाला गिरोह कोरोना से पहले से पहले सक्रिय हुआ था। ठगी के गिरोह में शामिल आरोपितों ने हाइपर मार्ट की फ्रेंचाइजी के अलावा मिडवे कैफे, वेस्टलैंड, साउथ लैंड, डच फ्रस्टर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बनाकर सैकड़ों लोगों से पैसे ले लिए थे। गिरोह के सरगना ने 20 से अधिक आइडी अलग-अलग नाम से बना रखी थी। आरोपितों ने फर्जी कंपनियों की वेबसाइट भी बनवाई थी। जिस पर रिटेल स्टोर की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर लोगों से 30 से 50 लाख रुपये तक लेते थे।

करीब 500 लोगों से ठगी

गिरोह ने करीब 500 से अधिक लोगों से करोड़ों की ठगी की है। जब फ्रेंचाइजी नहीं मिलने पर लोगों ने पैसे मांगने शुरू किए तो आरोपितों ने सेक्टर-63 का आफिस बंद कर दिया था। नोएडा में फ्रेंचाइजी देकर ठगी करने वाला गिरोह वर्ष 2019 से 2020 तक सक्रिय था। करीब एक साल में जालसाजों ने पूरे एनसीआर समेत आधे दर्जन से अधिक राज्यों में अपना नेटवर्क फैलाया। हाइपर सुपर मार्केट की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली नोएडा की वेस्टलैंड ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, हाइपर सुपर मार्केट कंपनी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। निवेशकों के साथ करीब दस करोड़ रुपये से अधिक की में नोएडा पुलिस ने आठ मुकदमे भी दर्ज किए थे।

बिल्डिंग किराए पर ली

लखनऊ स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने नोएडा पुलिस से जानकारी जुटाने के बाद प्रारंभिक जांच की। जिसमें आरोप सही पाए जाने पर कंपनी के निदेशकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गिरोह के सरगना राजेश ने अपने भाई अंकुर व अन्य साथियों के साथ सेक्टर-63 के ई-29 में एक बिल्डिंग किराए पर ली थी। आरोपितों ने हाइपर मार्ट की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर ठगी शुरू कर दी।

अन्य राज्यों में शिकायत

जालसाजों के खिलाफ उत्तरप्रदेश के अलावा कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों में भी शिकायत हो चुकी थी। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर फटकार लगाते हुए गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, सीबीआई, ईडी और सीरियस फ्राड इंवेस्टीगेशन आफिस को नोटिस जारी किया था।

लाखों में कैश और महंगी कार समेत सामान बरामद

वहीं फेज-3 कोतवाली में भी आरोपितों के खिलाफ ठगी का शिकार लोगों ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर मर्सिडीज समेत पांच कार, सवा तीन किलोग्राम सोने के बिस्किट, आभूषण, 13.5 लाख रुपये नकद सहित करीब दस करोड़ रुपये का माल बरामद किया था। 60 लाख रुपये खातों में फ्रीज कराए गए थे।

छोटा भाई करता था लूट, बड़ा खपाता था माल; साथी सहित दोनों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को दो सगे भाईयों सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार करके प्रवासी भारतीय महिला के साथ हुई लूट समेत सात वारदात का राजफाश किया है। पूछताछ के बाद आरोपितों को जेल भेज दिया है।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को दो सगे भाईयों सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार करके प्रवासी भारतीय महिला के साथ हुई लूट समेत सात वारदात का राजफाश किया है। पूछताछ के बाद आरोपितों को जेल भेज दिया है। पूछताछ में आया है कि छोटा भाई साथी के साथ मिलकर लूट व वाहन चोरी करता था। बड़ा भाई माल को खपाता था।

जानें पूरा मामला

सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि बाइक सवार दो लुटेरों ने नौ फरवरी को इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के नीति खंड-एक में प्रवासी भारतीय पारूल गुप्ता से करीब पांच लाख के गहने व महंगी घड़ी और चश्मा लूटा था।

पुलिस की चार टीमें इस मामले में काम कर रही थीं। टीमों ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। उसमें अहम साक्ष्य मिले। उसके आधार पर शुक्रवार को मंगल चौक के पास से तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान मूल रूप से मुजफ्फरनगर, बिहार के अशरफ उर्फ राज उर्फ मोटा उर्फ नानू और अकरम व भागलपुर, बिहार के सिंकू के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि अशरफ व अकरम सगे भाई हैं। तीनों यहां कनावनी में किराए के मकान में रहते हैं।

17 साल की उम्र में की पहली चोरी

स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि अकरम बड़ा और अशरफ छोटा है। अशरफ ने 17 साल की उम्र में जनवरी-2020 में इंदिरापुरम से बाइक चोरी की थी। उसे बाल सुधार गृह भेजा गया था। तीन माह बाद वह बाहर आया था। अक्टूबर 2020 में उसने फिर से बाइक चोरी की। वह बाल सुधार गृह भेजा गया। बाहर आने पर फिर बाइक चोरी। अक्टूबर 2022 में उसे जेल भेजा गया। जमानत पर आने के बाद वह सिंकू के साथ मिलकर लूट करने लगा। उसने इंदिरापुरम में चार और कौशांबी में दो लूट की। इंदिरापुरम से बाइक चोरी की।

सराफ ने दिखाई जागरूकता

स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रवासी भारतीय पारूल से लूट के बाद अकरम गहने बेचने सराफ को गहने बेचने गया। उसने आधार कार्ड की छाया प्रति लेकर गहने खरीदे। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए सराफ की दुकान तक पहुंची तो मामला खुला। दुकान के सीसीटीवी कैमरे में अकरम की गहने बेचते की फुटेज कैद थी। पुलिस ने उसे साक्ष्य के लिए अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस सराफ को सरकारी गवाह बनाएगी।

अकरम खपाता था माल

अशरफ ने बताया कि वह सिंकू के साथ लूट व चोरी करता था। बड़ा भाई अकरम चोरी व लूट के माल को खपाता था। माल बेचने से मिलने वाले रुपयों को तीनों आपस में बांट लेते थे। पहली बार चोरी की बाइक बेचने से पैसा मिला तो लालच आ गया। उसके बाद लगातार चोरी व लूट करने लगा। स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि इस गिरोह में अन्य बदमाश भी हो सकते हैं। इसकी जांच की जा रही है।

ऑटो इंडस्ट्री के लिए कैसा रहा ये सप्ताह? जानिए कौन-सी गाड़ियां हुईं लॉन्च

पॉपुलर बाइक से लेकर किफायती कार तक। इस सप्ताह ऑटो सेक्टर में कई गाड़ियां लॉन्च हुई हैं जिसका जिक्र हम इस खबर के माध्यम से करने जा रहे हैं। आइये पढ़ते हैं इस हफ्ते क्या कुछ रहा खास

नई दिल्ली। यह सप्ताह ऑटो इंडस्ट्री के लिए खास रहा है। क्योंकि, इस सप्ताह में कुछ खास गाड़ियां लॉन्च हुई हैं। इसका अलावा, एक फेमस ब्रांड ने अपनी पॉपुलर बाइक को भी नया अपडेट दिया है। आइये जानते हैं इस सप्ताह लॉन्च होने वाली गाड़ियों के बारे में

1. Audi Q3 sportback

ऑडी (Audi) ने भारत में नई क्यू3 स्पोर्टबैक कूप एसयूवी (Q3 Sportback Coupe SUV) को लॉन्च कर दिया है। यह अपने सेगमेंट की पहली कूपे एसयूवी है, जिसमें 220 किमी प्रति घंटे की जबरदस्त स्पीड के साथ एक स्पोर्ट कार के सारे गुण देखने को मिलते हैं।

2. 2023 Yamaha FZ-X, R15 V4, MT-15 V2 launched

दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी यामाहा भारतीय ऑटो बाजार में अपनी तीन शानदार बाइक्स के साथ धूम मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बाइक निर्माता ने अपनी तीन अपडेटेड बाइक्स R15 V4, MT 15 और FZ-X आज लॉन्च कर दिया है। ये मॉडल्स 150cc सेगमेंट में आने वाले हैं और नए फीचर्स के तौर पर कई शानदार फीचर्स के साथ लाया जा रहा है। तो चलिए जानते हैं कि इन बाइक्स में किन फीचर्स को शामिल किया जा रहा है।

3. Mercedes-Benz reopens bookings for G63 AMG and GLS 600 Maybach

मर्सिडीज बेंज ने अपनी पावरफुल एसयूवी मायबैक जीएलएस 600 के साथ ही ऑफ रोडर एएमजी जी63 की बुकिंग फिर से शुरू करने का ऐलान हाल ही में किया था। इसके साथ ही अब AMG G63 पर वेटिंग पीरियड 16 महीने और Maybach GLS 600 पर वेटिंग पीरियड 10 महीनों तक का हो गया है।

4. 2023 Hyundai Verna

काफी लंबे समय से इंतजार की जा रही नए जनरेशन की हुंडई वरना (Nex Gen Hyundai Verna 2023) अगले महीने दस्तक देने वाली है। नई वरना को 21 मार्च को लॉन्च किया जा रहा है। केवल पेट्रोल वर्जन में लाई जाने वाली ये सेडान कार का टीजर पहले ही जारी कर दिया गया था, जिसमें इसके फीचर्स की जानकारी मिलती है। वहीं, इसे बुक करने के लिए 25,000 रुपये की टोकन मनी रखी गई है। कहा जा रहा है कि नई वरना को चार ट्रिम्स में लाया जा सकता है।

5. Maruti Suzuki Ciaz launched with new features

Maruti Suzuki Nexa ने भारत में Ciaz को एक नए डुअल-टोन कलर ऑप्शन में लॉन्च किया। टॉप-स्पेक अल्फा वेरिएंट पर आधारित मारुति सुजुकी सियाज डुअल-टोन मैनुअल वेरिएंट की कीमत 11.15 लाख रुपये है, जबकि ऑटोमैटिक वेरिएंट 12.35 लाख रुपये (दोनों कीमतें एक्स-शोरूम) हैं। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने आस-पास के नेक्सा शोरूम में जाकर 2023 सियाज को खरीद सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को

2023 Toyota Innova Crysta diesel भारतीय बाजार में जल्द देगी दस्तक

नई दिल्ली। Toyota Kirlsokar Motor ने पिछले साल कुछ समय के लिए इनोवा क्रिस्टा को बंद कर दिया था, ठीक नई-जनरेशन इनोवा हाई क्रॉस के लॉन्च के आसपास। हालांकि वाहन निर्माता कंपनी ने पुष्टि की थी कि क्रिस्टा को हाई क्रॉस के साथ बेचा जाना जारी रहेगा। 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा ने बाजार में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर दी है, आने वाले दिनों में लॉन्च होने की उम्मीद है। एमपीवी में पहले पेश किए गए मॉडल की तुलना में काफी बदलाव किया गया है।

2023 Toyota Innova Crysta diesel

2023 इनोवा क्रिस्टा को केवल डीजल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें 2.7-लीटर पेट्रोल इंजन अब बंद कर दिया गया है। अपडेटेड इनोवा क्रिस्टा केवल 2.4-लीटर चार-सिलेंडर डीजल इंजन के साथ आएगी। इस इंजन को पहले 150 पीएस/360 एनएम पर रेट किया गया था। इसके इंजन को 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, इंजन को आगामी भारत स्टेज 6 (बीएस6) चरण 2 आरडीई मानदंडों के अनुरूप भी बनाया जाएगा।

2023 Toyota Innova Crysta डिजाइन

इस कार का डिजाइन काफी दमदार है। इसके फ्रंट-एंड को अपडेट किया गया है। सामने वाला बंपर बिल्कुल नया है जिसमें थोड़ा नया शेप दिया गया है। फॉग लैंप और टर्न इंडिकेटर को भी नया रूप दिया गया है, दोनों के चारों ओर एक नई एल-आकार की क्रोम पट्टी है। डुअल-टोन अलॉय व्हील सहित साइड प्रोफाइल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 2023 इनोवा क्रिस्टा एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो के साथ 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग, एयरबैग, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, हिल स्टार्ट असिस्ट जैसे शानदार फीचर्स है।

2023 Toyota Innova Crysta कीमत

2023 Toyota Innova Crysta को चार वेरिएंट्स G, GX, VX और ZX में पेश करेगी। कंपनी ने कार के लिए 50,000 रुपये में बुकिंग लेना शुरू कर दिया है। डीजल इनोवा क्रिस्टा की कीमत लगभग 19 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है।

2023 Toyota Innova Crysta को चार वेरिएंट्स G GX VX और ZX में पेश करेगी। इस कार का डिजाइन काफी दमदार है। इसके फ्रंट-एंड को अपडेट किया गया है। सामने वाला बंपर बिल्कुल नया है जिसमें थोड़ा नया शेप दिया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक गाड़ी चलाते हैं तो समझे बैटरी खराब होने के ये संकेत

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। आप इन संकेतों को समझकर अपनी इलेक्ट्रिक कार को खराब से होने से पहले ही बचा सकते हैं।

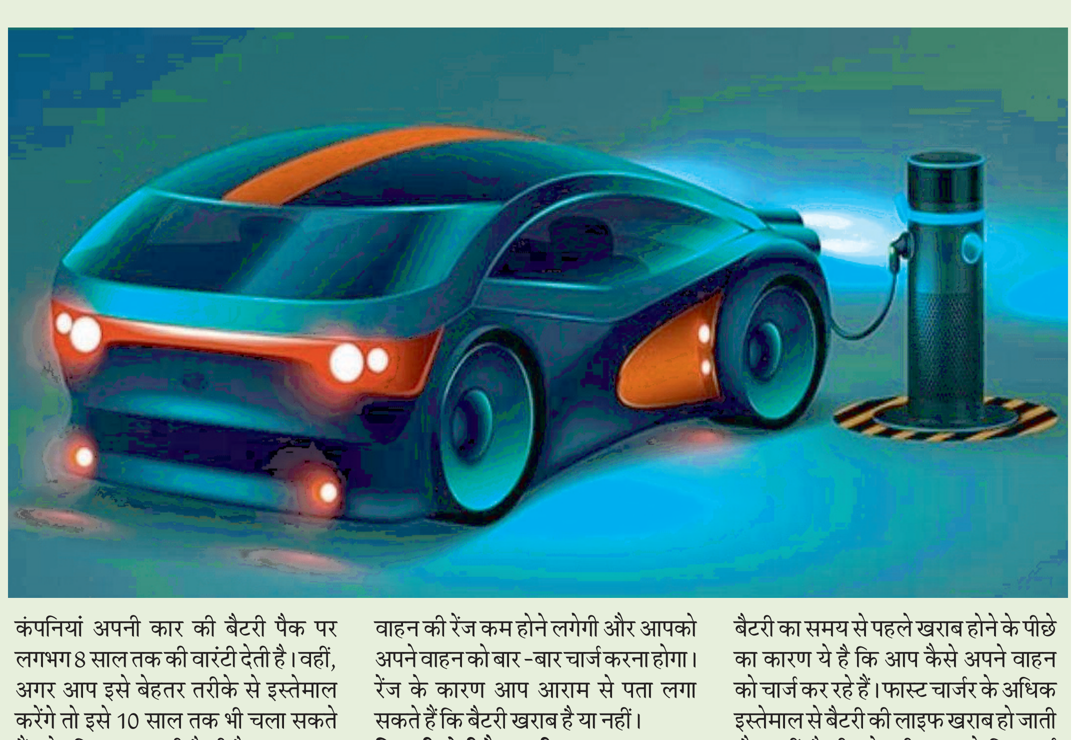

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में दिन पर दिन पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत ने लोगों की कमर तोड़ दी है। जिसके कारण इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड तेजी से बढ़ते जा रही है। इसके लिए सरकार भी अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है ताकि अधिक से अधिक लोग ईवी को लेकर जागरूक हो सके। लेकिन आज भी ईवी से जुड़ी कई बड़ी समस्याएं है जिसमें से एक सबसे बड़ी समस्या चार्जिंग स्टेशन।

जिस तरह से हर जगह आपको पेट्रोल पंप मिलेंगे उसी तरीके से ईवी चार्जिंग स्टेशनों की कमी है। जिस पर कई बड़े वाहन निर्माता कंपनियां काम कर रही है। अगर आपके पास इलेक्ट्रिक कार हैं तो आपको इन बातों का जानना काफी जरूरी है। कार की बैटरी कब खराब होगी या फिर खराब होने से पहले कैसे संकेत देती है।

कार की बैटरी कितने साल चलेगी

आपको बता दे लगभग सभी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी कार की बैटरी पैक पर लगभग 8 साल तक की वारंटी देती है। वहीं, अगर आप इसे बेहतर तरीके से इस्तेमाल करेंगे तो इसे 10 साल तक भी चला सकते हैं। दो पहिया वाहन की बैटरी पैक लगभग 3 से 5 साल तक की होती है।

बैटरी खराब तो नहीं हो रही है

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। ये अचानक से खराब नहीं होती है। खराब होने से पहले ये कई संकेत देती है। जिसके बाद बैटरी धीरे- धीरे खराब होती है। तब आपके वाहन की रेंज कम होने लगेगी और आपको अपने वाहन को बार-बार चार्ज करना होगा। रेंज के कारण आप आराम से पता लगा सकते हैं कि बैटरी खराब है या नहीं।

कितनी होती है इसकी लागत

ईवी की बैटरी पैक काफी अधिक महंगी होती है। अगर वो वारंटी के अंदर नहीं है और डैमेज है, आपको इसपर कई हजारों का खर्च करना पड़ सकता है। कार के बैटरी पैक की बात करें तो इसकी कीमत लाखों तक की होती है, वहीं स्कूटर दो पहिया वाहन में इसकी कीमत हजारों तक की होती है।

क्या होता है खराब होने का कारण

बैटरी का समय से पहले खराब होने के पीछे का कारण ये है कि आप कैसे अपने वाहन को चार्ज कर रहे हैं। फास्ट चार्जर के अधिक इस्तेमाल से बैटरी की लाइफ खराब हो जाती हो। वहीं बैटरी को पूरी तरह से डिस्चार्ज करने या फिर हर बार 100 फीसदी चार्ज करने से भी बैटरी की लाइफ कम हो जाती है। ईवी बैटरी को 15 परसेंट तक पहुंचने पर चार्ज किया जाना चाहिए। जब कि इसे 80 से 85 प्रतिशत तक चार्ज करना चहिए। बैटरी पर मौसम का भी काफी प्रभाव पड़ता है। इसके कारण भी बैटरी समय से पहले खराब हो सकती है।

तिरछी क्यों डिजाइन की जाती है कार की विंडस्क्रीन, जानिए क्या है इसकी अहमियत

नई दिल्ली। अगर आप कार और बस दोनों से ट्रैवल करते हैं तो आपने इसे जरुर गौर किया होगा कि कारो की विंडस्क्रीन तिरछी होती है और बसों की नहीं। क्या आप जानते हैं इसके पीछे का कारण। अगर आप सोच रहे होंगे कि कार ही नहीं बस की भी तो स्पीड अधिक होती है। इसके बावजूद भी बस की विंडशील्ड तिरछी क्यों नहीं होती है, चलिए आपको इसके पीछे के कारण से रूबरू कराते हैं।

दरअसल बस के मुकाबले कारों की aerodynamic काफी अधिक होती है। आपको आसान शब्दों में बताएं तो तिरछी विंडशील्ड होने की वजह से यह हवा को बहुत ही आसानी से पास करने में अधिक सक्षम होती है। इसके कारण कार की स्पीड में कोई परेशानी नहीं आती है। इसको इसलिए बनाया जाता है ताकि इस पर कम दबाव हो और यह सुचारू रूप से चलने के बाद ये अधिक माइलेज दे सके। हालांकि बस को बनाते समय एयरोडायनेमिक्स के ऊपर अधिक ध्यान नहीं रखा जाता है।

आपको बता दे आमतौर पर गाड़ियों में दो तरह के विंडशील्ड का इस्तेमाल किया जाता है। बस और कार के आगे लगे शीशे तिरछे और फ्लैट हो सकते हैं। लेकिन उनकी क्वालिटी में कमी आने पर कई बार ड्राइवर को गाड़ी चलाने में परेशानी हो सकती है। ये धूल वगैरा को रोकने में काम आता है। इसको साफ रखना काफी जरुरी होता है। खासकर सर्दी के समय में इसे वाइपर से साफ करें। आमतौर पर विंडशील्ड लैमिनेटेड और टेम्पर्ड दो तरह के होते हैं।

दोनों विंडशील्ड में क्या अंतर होता है

टेम्पर्ड के मुकाबले लैमिनेटेड विंडशील्ड को अधिक बेहतर माना जाता है। इसे बनाने के लिए दो शीशे का इस्तेमाल किया जाता है। बीच में प्लास्टिक होने के कारण दुर्घटना होने पर यह टूट कर बिखरते नहीं हैं। वहीं जो साधारण शीशे होते हैं वो टूट कर बिखर जाते हैं। दूसरी तरफ लैमिनेटेड को टूटने पर आप रिपेयरिंग भी करवा सकते हैं।

संपादक की कलम से

नेता जी, जुबान संभाल के'

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को दिल्ली हवाई अड्डे पर अत्यंत नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया गया, उनकी ट्रांजिट रिमांड के लिए द्वारका कोर्ट में पेश भी किया गया, लेकिन उसी दौरान सर्वोच्च अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत भी दे दी। संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी के दिवंगत पिता का गलत नाम लेकर अपमान करने का था। असम पुलिस पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने दिल्ली तक आई थी। बड़े नाटकीय ढंग से खेड़ा को विमान से उतारा गया। फिर गिरफ्तारी की घोषणा के बाद कांग्रेस नेता हवाई अड्डे के रन-वे के करीब ही धरने पर बैठ गए। बहरहाल अभी यह बवंडर थमा नहीं है, क्योंकि बदजुबानी और अमर्यादित भाषा का प्रयोग हमारी राजनीतिक संस्कृति बन चुके हैं। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में दिलचस्प और सवालिया यह रहा कि सर्वोच्च अदालत ने कुछ ही मिनटों में खेड़ा का केस सुन भी लिया और उन्हें जमानत भी दे दी। शीर्ष अदालत में ही 69,000 से अधिक मामले अब भी लंबित हैं। देश की विभिन्न अदालतों में कुल करीब 7 करोड़ मामले आज भी विचाराधीन हैं। अदालतों में चप्पलें घिसते न जाने कितनी उम्रें गुजर जाती हैं और अंतिम सांस तक इंसाफ नहीं मिल पाता। यकीनन यह सिर्फ अदालतों पर ही सवाल नहीं है, हमारी पूरी व्यवस्था ही छिद्र वाली है, जिसमें से 'न्याय' टपकता रहता है। पवन खेड़ा बेहद भाग्यशाली और अतिविशिष्ट नागरिक साबित हुए कि कुछ ही मिनटों में उनकी स्वतंत्रता की रक्षा हो गई। देश के आम नागरिक की कौन सुनता है! शीर्ष अदालत ने जोशीमठ शहर के घरों में दरारें और उनके ढहने की आशंकाओं का मामला सुनने से इंकार कर दिया था और उन्हें निचली अदालत में जाने के निर्देश दे दिए थे। बहरहाल खेड़ा को राहत न्यायिक पीठ की चेतावनी के साथ मिली है। उन्होंने जो भी बयानबाजी की थी, वह जुबान फिसलने का केस नहीं था, क्योंकि उनके चेहरे के हाव-भाव व्यंग्यात्मक थे, लिहाजा उनकी मंशा भी समझ में आती है। खेड़ा ने ऐसी बदजुबानी की थी कि उनके वकील एवं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत के सामने उन शब्दों को दोहराना भी नैतिक नहीं समझा। न्यायाधीशों ने ऑडियो सुना और मामला समझा। खेड़ा के वकील ने अदालत को इतना आश्वस्त जरूर किया कि उनके मुवक्किल ने पहले भी माफी मांग ली है और अब भी बिना शर्त माफी मांगने को तैयार हैं। वकील ने यह जरूर कहा कि ऐसे शब्द बोले नहीं जाने चाहिए थे। अदालत ने खेड़ा को चेतावनी दी कि बयानबाजी और बातचीत स्तर की होनी चाहिए। शीर्ष अदालत की यह चेतावनी हमारी समूची राजनीतिक बिरादरी के लिए भी है-'नेताओ! जरा जुबान संभाल कर बोलें!' खेड़ा की रिहाई के बाद ही यह चेतावनी काफूर होती लगी, क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने ही सर्वोच्च अदालत के आदेश को सरकार पर 'करारा तमाचा' करार दिया। उनके बाद पार्टी प्रवक्ता टीवी चैनलों पर बदजुबानी की हदें पार करते दिखाई दिए। दांत पीस-पीस कर दलीलें देते रहे कि मोदी ने नेहरू-गांधी परिवार के बारे में इतने आपत्तिजनक शब्द कहे हैं, लेकिन उन पर तो कोई केस दर्ज नहीं किया गया। यहां तक कि संसद में भी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया, लेकिन उन पर कभी आक्षेप नहीं। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में कांग्रेस के अधिकृत ट्विटर हैंडल से भीड़ का एक नारा जारी किया गया है-'मोदी तेरी कब्र खुदेगी।' सवाल है कि क्या विरोध की राजनीति को 'बदजुबानी' का कोई लाइसेंस मिला है? अब सुप्रीम कोर्ट क्या कहेगी और क्या कार्रवाई कर सकती है? कांग्रेस में प्रधानमंत्री मोदी पर निजी हमला करने वाले नेता तो पुरस्कृत होते हैं। अब पवन खेड़ा भी बड़े नेता बनाए जा सकते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता तो सार्वजनिक मीडिया पर प्रधानमंत्री को 'सीरियल ऑफेंडर' (क्रमिक हत्यारा) तक कह रहे हैं। उनकी जुबान कौन बंद करवा सकता है? हमारे देश में एक नेता दूसरे नेता को अकसर नीचा दिखाते हुए गाली-गलौज में लगा रहता है।

भेदभाव पर भागवत की स्पष्टोक्ति

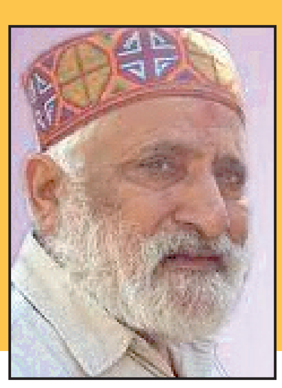

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य दलों की तीखी आलोचना करती आई है। इस आलोचना का तात्पर्य यह नहीं है कि भाजपा भी इन्हीं दलों की तरह आचरण करने लगे और दलील यह दे कि ऐसा तो उनके शासन में भी होता रहा है, इसलिए इसमें गलत क्या है।

पिछले दिनों मुम्बई में संत शिरोमणि रविदास जी की जयन्ती पर बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत जी ने कहा कि रविदास जी जिस मार्ग पर चल रहे थे, उसका अपने वक्त में विरोध भी हुआ था। विरोध करने वाले लोग भी अपने ही थे। लेकिन रविदास जी ने अपना रास्ता नहीं छोड़ा। वे शाश्वत सुख का रास्ता तलाश रहे थे। भागवत जी का कथन सही है। रविदास की लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी था। बाहर वालों के विरोध से तो लड़ा भी जा सकता है, लेकिन अपने लोगों का विरोध ज्यादा कष्टकारी होता है। रविदास जी इस कष्टकारी मार्ग से होकर ही शाश्वत सुख का रास्ता तलाश रहे थे। रविदास जी उस समाज के लिए सुख का रास्ता तलाश रहे थे जो जाति भेद से ग्रस्त था। वर्गीकरण तो दुनियाभर के सभी समाजों में होता है, लेकिन रविदास उस समाज का हिस्सा थे जो जाति व्यवस्था में भी व्यावहारिक रूप से ऊंच-नीच में फंसा हुआ था। ऐसे समाज के लिए शाश्वत सुख क्या था और उसकी प्राप्ति का रास्ता क्या था? रविदास ने इसी का उल्लेख करते हुए कहा था- 'ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट बड़ो सब संग बसे रैदास रहे प्रसन्न।' यह आर्थिक व सामाजिक समरसता का मार्ग था। इसी मार्ग से शाश्वत सुख का अनुभव किया जा सकता था। ऐसा नहीं कि रविदास अकेले ही सामाजिक समरसता के रास्ते की तलाश कर रहे थे। दूसरे लोग भी यह प्रयास कर रहे थे। लेकिन क्या दूसरों द्वारा बताए रास्ते को आंख मूंदकर स्वीकार कर लिया जाए? मोहन भागवत जी ने कहा कि रविदास जी ने निर्णय किया कि 'सुनी सुनाई बातों पर न जाकर प्रत्यक्ष अनुभव लूंगा।' सब जानते हैं कि प्रत्यक्ष अनुभव का रास्ता ही असली रास्ता है।

इस रास्ते पर रविदास जी की यात्रा स्वामी रामानंद जी के सान्निध्य में शुरू हुई। भागवत जी के अनुसार 'रविदास जी को ज्ञान हुआ कि सत्य ही ईश्वर है। वह सत्य यह बताता है कि मैं सब प्राणियों में हूं, इसलिए रूप-नाम कुछ भी हो, लेकिन योग्यता एक है, मान-सम्मान एक है, सबके बारे में अपनापन है। कोई भी ऊंचा-नीचा नहीं है।' सुख की यह अवधारणा सामाजिक व्यवहार में ऊंच-नीच की भावना का समूल नाश करने में समर्थ है। वैसे भी कम से कम इस पर तो सभी एकमत ही होने चाहिएं कि परमात्मा ने तो व्यक्ति-व्यक्ति में जन्म के आधार पर छोटे-बड़े की दीवार नहीं खड़ी की होगी। यदि ऐसा होता तो सारी दुनिया में ही यह व्यवस्था होनी चाहिए थी। लेकिन दुनिया के दूसरे देशों में तो जन्म के आधार पर ऊंच-नीच की अवधारणा नहीं है। यह केवल हिंदुस्तान के कुछ हिस्सों में ही है। यक्ष प्रश्न तो यह है कि जन्म के आधार पर ऊंच-नीच का व्यवहार किस प्रकार शुरू हुआ? अपने देश में तो कुछ लोग इस ऊंच-नीच के व्यवहार को उचित ठहराने के लिए पुरानी पोथियों यानी शास्त्रों का भी सहारा लेते हैं। मोहन भागवत जी ने कहा कि यह ठीक नहीं है। यह गलत है। यह झूठ है। उनके अनुसार, 'जाति, जाति के बीच ऊंच-नीच की कल्पना के भंवर में फंसकर हम भ्रमित हो गए हैं। यह भ्रम दूर करना है। अपनी ज्ञान परंपरा यह नहीं बताती है, आज समाज को यह बताने की जरूरत है। वह परंपरा यह बताती है कि सत्य और धर्म कभी छोडऩा नहीं चाहिए।' रविदास कहते हैं-'रविदास जन्म के कारनै, होत न कोउ नीच/नकर कूं नीच करि डारी है, ओछे करम की कीच।' वर्तमान में जब भारत अपनी प्रगति के रास्ते पर एक लम्बी छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है तो रविदास जी की साधना के रास्ते को समझना और भी आवश्यक हो गया है। दरअसल भारतीय सामाजिक व्यवस्था को लेकर सदियों से बहस चलती आ रही है।

मोटे तौर पर यह व्यवस्था जाति पर आधारित है। ऐसा भी कहा जाता है कि जाति व्यवस्था वर्ण व्यवस्था का ही बिगड़ा हुआ रूप है। वर्ण व्यवस्था व्यक्ति की योग्यता और रुचि पर आधारित थी। उदाहरण के लिए दो भाईयों में से एक की रुचि पढऩे लिखने और ज्ञान अर्जन में है तो वह अपने इस स्वभाव और रुचि के कारण ब्राह्मण हो जाएगा, और दूसरे भाई को लगता है कि यह भाई तो सारा दिन पोथियों में डूबा रहता है, इससे किया मिलेगा, उसकी रुचि एक स्थान का बना या उत्पादित सामान दूसरी जगह जाकर बेचने में है। इससे चार पैसे गांठ में आ जाते हैं। यह लक्ष्मी साधना है। वह भाई वैश्य कहलाएगा। लेकिन यह जो पोथी साधना में डूबा रहता है, इसका घरबार कैसे चलेगा। लक्ष्मी के बिना तो पार पाना मुश्किल है, लेकिन इसके पास सरस्वती साधना के सिवा कुछ नहीं है। इसलिए सामाजिक व्यवस्था में कहा गया कि ब्राह्मण को दान देना चाहिए। कई जगह तो कहा गया कि ब्राह्मण को ही दान देना चाहिए। लेकिन ब्राह्मण ज्ञान साधना से प्राप्त ज्ञान क्या अपने पास ही रखेगा? यदि ऐसा हुआ तो ब्राह्मण की इस ज्ञान साधना से समाज को क्या लाभ हुआ? इसलिए व्यवस्था बनी कि ब्राह्मण यदि अपना यह ज्ञान अन्य लोगों तक नहीं पहुंचाएगा तो वह मरने के बाद ब्रह्म राक्षस बन जाएगा। उसकी गति नहीं होगी। लेकिन साथ ही यह व्यवस्था भी की गई कि पैसा लेकर ज्ञान बेचेगा नहीं। मामला फिर वहीं का वहीं अटक गया। बेचेगा नहीं तो अपना और परिवार का पेट कैसे भरेगा? तब यह व्यवस्था बनी कि अपने शिष्यों से दक्षिणा लेने का अधिकारी होगा। जिस भाई की रुचि न ज्ञान साधना में थी और न ही व्यापार करने में, बल्कि उसकी रुचि तलवार व तीर चलाने में थी, वह भाई क्षत्रिय कहलाया।

बाबा साहिब अम्बेडकर मानते हैं कि वेद की व्यवस्था तो केवल तीन वर्णों की ही थी। कालांतर में जिन क्षत्रियों का उपनयन संस्कार नहीं हुआ, वे शूद्र कहलाए। अम्बेडकर ने तो 'शूद्र कौन थे', इस नाम की एक पूरी किताब ही लिख दी। उनका कहना है कि कालांतर में यह वर्ण व्यवस्था विकृत होकर जाति बन गई और जाति काम व रुचि पर आधारित न होकर जन्म पर आधारित हो गई। अम्बेडकर मानते थे कि आग में घी डालने का काम अंग्रेज़ों ने कर दिया, जब उन्होंने अपने चश्मे से जाति की व्याख्या करनी शुरू कर दी। इतना ही नहीं, लेकिन एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि यह जाति व्यवस्था पूरे भारतीय समाज में कभी भी नहीं थी। यह केवल समाज के एक हिस्से में ही थी। सिन्धी समाज में इस प्रकार की कड़ी व सख्त जाति प्रथा कभी नहीं रही। पूर्वोत्तर के विशाल किरात समाज में भी यह व्यवस्था नहीं रही। अन्य अन्य 'जन' उदाहरण के लिए गोंड, संथाल इत्यादि में जाति व्यवस्था नहीं थी। इस्लाम पंथ में चले जाने से पूर्व पश्तून व बलोच समाज में भी ऊंच-नीच की जाति व्यवस्था नहीं थी। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में तमाम लोगों को घेरती हुई कोई भी सामाजिक व्यवस्था प्रचलित करना सम्भव ही नहीं है। लेकिन जब अंग्रेज़ यहां आए तो उनके लिए भारतीय समाज को समझना इतना आसान नहीं था। वे हैरान थे कि देश में कुछ लोग जाति व्यवस्था के अंदर हैं और कुछ उससे बाहर हैं। इससे पार पाना उनके बस में नहीं था। तब उन्होंने एक नया सिद्धांत गढ़ दिया।

जो जाति व्यवस्था वाला समाज है, वे आर्य लोग हैं और जो जाति व्यवस्था से बाहर का समाज है, वे अनार्य हैं और भारत के मूल निवासी हैं। उन्होंने उन्हीं को शूद्र मान लिया। अंग्रेज़ यहीं तक नहीं रुके। उन्होंने मामला और आगे बढ़ा दिया कि आर्यों ने तो सप्त सिन्धु के रास्ते से भारत पर हमला किया था और अनार्यों को पराजित कर दोयम दर्जे पर ला दिया था। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहना होगा कि अपने ही देश के कुछ विद्वान अंग्रेज़ों की बातों और षड्यंत्रों को सही बता कर देश भर में उसका प्रचार करने लगे। बहरहाल, आज प्राचीन काल के शूद्रों और आज के दलित समाज को, अम्बेडकर के कथनानुसार, अलग मान कर इस बात के अध्ययन की जरूरत है कि आज का दलित समाज इस स्थिति तक कैसे पहुंचा? उसमें एटीएम के शासन की क्या भूमिका थी? इसके अध्ययन के बाद आधुनिक काल में इस भेदभाव को खत्म करने के लिए सामाजिक चेतना की जरूरत है। रविदास जी ने अपने समय में यही किया था। आज उसी रास्ते पर चलने की जरूरत है। मोहन भागवत जी ने इसी ओर संकेत किया है।

26 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1994 – उत्तरी कोरिया अपने परमाणु संयंत्रों को अंतर्राष्ट्रीय निरीक्षण के लिए खोलने पर सहमत।

1995 – कॉपीराइट मुद्दे पर सं.रा. अमेरिका एवं चीन के मध्य समझौता।

1999 – पांच ग्रैमी अवार्ड जीतकर रैप गायिका लॉरिन हिल ने नया रिकार्ड बनाया।

2001 – क्रिकेट के महानतम खिलाड़ी सर डॉन ब्रैडमैन का निधन।

2002 – अफ़ग़ानिस्तान के अंतरिम प्रधानमंत्री हामिद करजई भारत की दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।

2004 – मकदुनिया के राष्ट्रपति बेरिस ट्रेज कोवस्की की विमान दुर्घटना में मृत्यु।

2006 – परमाणु परिशोधन पर ईरान और रूस में समझौता।

2007 – नेपाल सरकार द्वारा नरेश की सम्पत्ति का राष्ट्रीयकरण करने की घोषणा।

2008–

रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने वर्ष 2008–09 का रेल बजट संसद में पेश किया। भारत परमाणु अस्त्र ले जाने में सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल का समुद्र के भीतर सफल परीक्षण किया।

नेपाल में संविधान सभा के होने वाले चुनाव में माओवादी नेता प्रचंड ने अपना पर्चा भरा।

2009– इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश हेमन्त लक्ष्मण गोखले का स्थानान्तरण मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश के रूप में हुआ।

26 फ़रवरी को जन्मे व्यक्ति

1994 – बजरंग पुनिया – प्रसिद्ध भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान हैं।

1959 – संजय धोत्रे – भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध राजनीतिज्ञ हैं।

1946 – मृणाल पाण्डे, पत्रकार एवं साहित्यकार

1925 – प्रकाश मेहरोत्रा – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे।

हिमाचल में साइंस सिटी

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रयोगशाला की उत्सुकता को बच्चों के मन-मस्तिष्क से जोडऩे के लिए, आईटी म्यूजियम की परिकल्पना की है। जाहिर है इस तरह के ज्ञान को सहज परिपाटी बनाने के लिए अलग तरह की परिकल्पना चाहिए और इस तरह शिक्षा से जुड़े हर विभाग को आगे आना चाहिए। हमारा मानना है कि अगर आईटी विभाग म्यूजियम की आवश्यकता महसूस कर रहा है, तो विद्युत विभाग को भी ज्ञान की परिपाटी में बच्चों के लिए ऐसे प्रयास करने होंगे। जल शक्ति विभाग अपनी परियोजनाओं के वैज्ञानिक पक्ष को रेखांकित करते हुए इसे स्कूली शिक्षा के साथ जोड़ सकता है। कहना न होगा कि हिमाचल की प्रगति के जितने भी आईने हैं, उनमें झलकते विज्ञान की सरल प्रस्तुति में अगर सारे विभाग आगे आएं, तो एक मुकम्मल साइंस सिटी प्रदेश में विकसित हो सकती है। हम पहले भी कई बार इन्हीं कालमों में विज्ञान शहर का सुझाव देते रहे हैं और अगर इसे नादौन और भोटा के बीच विस्तृत आकार में पेश किया जाए, तो यह बच्चों से जुड़े पर्यटन की तासीर बदल सकता है। भारत के कई राज्यों ने साइंस सिटी के माध्यम से ब्रह्मांड के कई प्रश्नों और भविष्य की जिज्ञासा को शांत करने के लिए मील पत्थर स्थापित किए हैं। पुष्पा गुजराल साइंस सिटी, जालंधर में विभिन्न गैलरी के माध्यम से जो प्रयोग हुए हैं, उन्हें हिमाचल भी अपनी शक्ति बना सकता है। साइंस सिटी में स्पेस थियेटर, डिजिटल तारामंडल, डायनासोर पार्क, जलवायु परिवर्तन रंगमंच, इनोवेशन हब, विज्ञान प्रदर्शनी व गणित गैलरी जैसी विविधताओं से गुजरती बाल उत्सुकता कहीं गहरे से पैठ बना लेती है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में विज्ञान प्रदर्शनी व संग्रहालय के साथ साइंस सिटी 1997 से ही बच्चों को प्रेरणादायक सफर करा रही है, जहां मछली घर, तितली एनक्लेव, टाइम मशीन व साइंस पार्क के जरिए बच्चों के लिए एक अद्भुत संसार रचा गया है। हिमाचल इससे कई कदम आगे निकल कर बच्चों के ज्ञान में पर्यटन की भूमिका में एक सशक्त पैकेज बना सकता है, जिसका मुख्य आधार विज्ञान, मनोरंजन, प्रकृति और वन्य प्राणी हो सकते हैं। छात्र पर्यटन की भूमिका में आईटी म्यूजियम की परिकल्पना को एक बड़ी परियोजना का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि आगे चलकर अन्य विभागों के सहयोग से अलग संग्रहालय, गैलरी व पार्क इत्यादि इससे जुड़ सकें। पर्वतीय वास्तुकला में एनआईटी व आईआईटी के सहयोग से विज्ञान नगरी में ज्ञान से भरपूर जानकारियों का प्रैक्टिकल पक्ष पेश किया जा सकता है। इससे पूर्व भी एक बिखरे प्रयास में पालमपुर में विज्ञान उप केंद्र तो बना, लेकिन विज्ञान नगरी बनाने के लिए एक बड़ी परियोजना को रेखांकित करना होगा। इसी तरह सिरमौर के सुकेती में एशिया का सबसे बड़ा फॉसिल पार्क यूं तो 1974 से ही स्थापित है, लेकिन इसके विस्तार की संभावनाएं कहीं फाइलों में दब गई हैं। पौंग बांध क्षेत्र में तितली पार्क की बात होती रही, लेकिन यह जमीन पर नहीं आया। ऐसे में सुक्खू सरकार के दिशा-निर्देश में अगर आईटी विभाग सामने आया है, तो यह विज्ञान नगरी की ओर पहला कदम माना जाएगा। बेहतर होगा कि इस तरह के उद्देश्य को साइंस सिटी की वृहद परियोजना का हिस्सा बनाकर बसाया जाए, अतः मटौर-शिमला फोरलेन के समीप और नादौन-भोटा के बीच किसी बड़े भूखंड पर विज्ञान नगरी की रूपरेखा में हर विभाग को अपनी-अपनी जानकारियों का कक्ष बनाना होगा। हिमाचल में विज्ञान नगरी छात्र व युवा पर्यटन की कई मंजिलें जोड़ सकती है। उदाहरण के लिए अगर नादौन-भोटा के बीच साइंस सिटी बसती है, तो सारे देश के छात्र यहां के साथ-साथ पौंग-बिलासपुर तथा कोल डैम भ्रमण, अटल टनल, विद्युत परियोजनाओं, चाय व सेब गार्डन तथा धरोहर व हिमाचल की ऐतिहासिक विविधता का अवलोकन ही नहीं कर पाएंगे, बल्कि साहसिक खेलों के जरिए मनोरंजन व अनुभव के अनेक अद्भुत पल भी प्राप्त कर सकेंगे।

रिसाव रोकने के लिए सख्त कदमों की जरूरत

प्रदेश का खजाना खाली है, कर्ज लेना सरकार की मजबूरी है क्योंकि प्रदेश में अपनी आय के साधन बहुत सीमित हैं। ऊपर से अफसरशाही, कर्मचारियों और नेताओं की रग-रग में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण सरकारी खजाने को जो चपत लग रही है, उससे उबर पाना मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। जयराम सरकार 75000 करोड़ का कर्ज नई सरकार के लिए विरासत में छोड़ कर गई थी जो अब नई सरकार के मात्र दो महीनों में ही बढक़र लगभग 78000 करोड़ की सीमा लांघने को तैयार है। आगे भी कर्ज लेने का यह सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा क्योंकि चुनावों में किए गए भारी भरकम वायदे तथा सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह इत्यादि खर्चे खाली खजाने के साथ पूरे करना लगभग असंभव से हैं जिसे सुक्खू सरकार स्वयं भी कई बार कबूल चुकी है क्योंकि केंद्र में अलग पार्टी की सरकार होने के नाते प्रदेश सरकार को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता की उम्मीद न के बराबर है। हालांकि प्रदेश की सुक्खू सरकार स्वयं के प्रयत्नों से खाली खजाने को भरने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, परंतु बीते कुछ वर्षों से प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था इस कदर जर्जर हो चुकी है कि इसे सही स्वरूप में लाने के लिए कई कड़े फैसलों और समय की जरूरत है। भू-माफिया, खनन माफिया पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत को सरकार अभी भी ठंडे बस्ते में रखे हुए है जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान तो हो ही रहा है, साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों का क्षोभ भी बढ़ता जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में तो बेनामी जमीनी सौदों में भ्रष्टाचार की काली कमाई को दफनाने का चलन इस कदर हावी हुआ कि श्मशान को छोडक़र पहाड़ और जंगल सब इस व्यवस्था की भेंट चढ़ चुके हैं। जिला कलैक्टर से लेकर पटवारी तक अपनी भ्रष्टाचार की काली कमाई को जमीनों की खरीदो-फरोख्त में लगा रहे हैं। ऐसे बेनामी भूमि सौदों के कारण जमीन का मूल्य आसमान छू रहा है और आम आदमी का घर बनाने का सपना उसकी औकात से बाहर हो रहा है। प्रदेश में सर्कल रेट से सौ फीसदी अधिक दामों पर भूमि बिक रही है जिसमें अस्सी फीसदी तक कैश लेन-देन हो रहा है, हालांकि केंद्र सरकार ने कैश लेन-देन के लिए कड़े नियम और कानून बना रखे हैं। भोले-भाले किसानों और स्थानीय नागरिकों से माफियाओं द्वारा सस्ते में हथियाई गई जमीनों की आगे ऊंचे और मनचाहे दामों की बिक्री पर सरकारी खजाने को भारी नुक्सान हो रहा है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए सरकार को शीघ्र सर्कल रेट रिवाइज करने चाहिए तथा रेवेन्यू विभाग को ऑनलाइन करने के प्रयास करने चाहिए। पहले हरियाणा में भी हिमाचल की ही भांति जमीन-जायदाद और फ्लैट इत्यादि की बिक्री पर कर्मचारियों, अधिकारियों और माफियाओं की मिलीभगत से एकछत्र राज हुआ करता था और बेलगाम भ्रष्टाचार के कारण प्रापर्टी की कीमतों में भारी उछाल था, परंतु हरियाणा सरकार ने सर्कल रेट इतने बढ़ा दिए कि प्रापर्टी की कीमतें खुद-ब-खुद गिर गई हैं। इस प्रकार सरकार का राजस्व तो बढ़ा ही, साथ ही में भ्रष्टाचार पर भी कुछ हद तक लगाम लग गई और प्रापर्टी के लेन-देन में बिचौलियों का धंधा भी चौपट हुआ।

इससे एक फायदा यह भी हुआ कि जरूरतमंद लोगों को घर, फ्लैट आसानी से मिलने लगे। भूमि सौदों में कैश लेन-देन से प्रदेश सरकार को जो नुक्सान हो रहा है, उसका सीधा फायदा केंद्र सरकार को पहुंच रहा है क्योंकि जमीन बेच कर बैंक में कैश जमा करवाने पर आयकर विभाग के नोटिस सीधा लोगों तक पहुंच रहे हैं तथा आय का साधन पूछने से लेकर जुर्माने की राशि सहित सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। किसानों और स्थानीय लोगों की अज्ञानता के कारण न केवल उन्हें मानसिक परेशानी हो रही है, बल्कि भारी भरकर टैक्स भी आयकर विभाग को देना पड़ रहा है जिस पर केवल प्रदेश सरकार का हक बनता है। अगर सर्कल रेट बढ़ा दिए जाएं तो जमीनी सौदों पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी सीधे प्रदेश सरकार के खजाने में जाएगी। इससे काले धन की सक्र्युलेशन तो समाप्त होगी ही, साथ ही में भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगेगी। दूसरी तरफ बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक भ्रष्टाचार के कारण धारा 118 का भी व्यापक स्तर पर उल्लंघन हुआ है जिसकी जांच होनी चाहिए। कुछ मामलों में तो प्रदेश की गुप्तचर एजेंसियों ने ऐसे जमीनी सौदों से पिछली प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री कार्यालय को अपनी रिपोर्ट भी भेजी थी, बावजूद इसके न तो कोई जांच हुई न ही कार्रवाई।

वोट बटोरने का साधन बने अपराधी

मुख्तार अंसारी के मामले में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी योगी सरकार पर संप्रदाय के आधार पर कार्रवाई करने का आरोप लगा कर अल्पसंख्यकों का वोट बैंक रिझाने का प्रयास करते रहे हैं। ऐसे दुर्दांत अपराधियों के मामले में पुलिस की हालत कठपुतली की तरह होती है। पुलिस राज्यों सरकारों के अधीन काम करती है। पुलिस की कार्रवाई राज्य सरकार की मंशा के बगैर नहीं हो सकती। इसका बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश की पुलिस ने कई कुख्यात बदमाशों और माफियाओं को ढेर कर दिया। इतना ही नहीं, पुलिस ने अपना इकबाल इस कदर कायम किया कि कुछ बदमाशों ने तो जमानत पर जेल से रिहा होने तक से इंकार कर दिया कि कहीं पुलिस उनका एनकाउंटर नहीं कर दे। पुलिस में यह साहस आया सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण। यही पुलिस समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी के सत्ता में रहने पर कुछ नहीं कर पाई। इससे जाहिर है कि जब तक पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी स्वायत्तता नहीं मिलेगी तब तक पुलिस अपनी वर्दी का खौफ अपराधियों में पैदा नहीं कर पाएगी'

राजनीतिक दल वोट बैंक साधने के लिए गैंगेस्टर, माफिया और डकैतों का इस्तेमाल करते रहे हैं। गौ तस्करी के आरोपियों की निर्मम हत्या के प्रमुख आरोपी मोनू मनेसर सहित अन्य आरोपियों के मामले में भी यही हुआ। मोनू मनेसर के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें वह हथियारों का प्रदर्शन करता नजर आता है। इसके अलावा उसके नेताओं के साथ फोटो भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। मोनू की गिरफ्तारी नहीं हो, इसके लिए महापंचायत ने फैसला लिया। भिवानी के लोहारू में दो लोगों की बोलेरो के अंदर जली हुई लाशें मिली थी। दोनों के गौ तस्कर होने का शक जताया गया था। भिवानी में मोनू के समर्थन में महापंचायत की गई और इस महापंचायत में राजस्थान पुलिस को यह धमकी दी गई कि वह गांव में कदम तक न रखे। इसमें कहा गया कि यदि पुलिस ने मोनू मानेसर के खिलाफ किसी भी तरह का एक्शन लिया तो पुलिस अपने पैरों पर वापस नहीं जा पाएगी। महापंचायत में मोनू मानेसर को हिंदुओं का हितैषी बताया गया। इस मुद्दे पर हरियाणा और राजस्थान की पुलिस आमने-सामने आ गई। दोनों राज्यों में अलग दलों की सरकारें हैं। राजस्थान में यह चुनावी साल है। ऐसे में दोनों सरकारों का यही प्रयास है कि मृतकों और उनके आरोपियों के मामले में एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर क्षेत्रीय और जातिगत वोट बैंक को मजबूत किया जाए। कुख्यात अपराधियों का जाति-संप्रदाय और क्षेत्र विशेष का सहारा लेने का पुराना इतिहास रहा है। राजनीतिक दल इसका फायदा वोट बैंक के लिए उठाते रहे हैं। जाति और संप्रदायों ने गैंगेस्टर, माफियाओं और यहां तक कि चंबल के डकैतों तक को शरण प्रदान की है। डकैत चाहे चंबल के रहे हों या फिर शहरों में रहने वाले अपराधी हों, सबने अपनी-अपनी जातियों, संप्रदाय और क्षेत्रीयता को अपने बचाव की ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया है। इस तरीके के महिमामंडन में अपराधी अपने जाति या संप्रदाय में रॉबिन हुड की छवि कायम करने के लिए उदार तौर-तरीके अपनाते रहे हैं।

दस्यु सुंदरी रही फूलन देवी ने अपने साथ हुई ज्यादती का बदला सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अपनी जाति में ऐसी ही छवि बनाई थी। इतना ही नहीं, फूलन देवी को इसका राजनीतिक फायदा भी मिला। उसने समाजवादी पार्टी की टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ कर जीत तक हासिल कर ली। अपराधों को जातिगत आधार बनाने की कीमत भी फूलन को चुकानी पड़ी। दूसरी जाति से दुश्मनी के कारण फूलन देवी की हत्या हो गई। माफिया, सरगनाओं और चंबल के डकैतों ने भी राजनीतिक दलों को मोहरा बनाया है। ऐसे कुख्यात अपराधियों का अपराध का ही नहीं बल्कि राजनीति का भी लंबा इतिहास रहा है, जिसकी आड़ में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न हो सके। अपने काले कारनामों पर लारेंस बिश्नोई, आनंदपाल, मोनू मानेसर, मुख्तार अंसारी और लवली आनंद जैसे अपराधियों ने जाति का सहारा लेकर अपराधों के काले कारनामों को गौरवान्वित करने का प्रयास किया है। ऐसे अपराधी अपनी राबिन हुड की छवि को बनाने का प्रयास करते हैं। जाति के अलावा इसमें यदि सांप्रदायिक रंग भी मिल जाए तो अपराधी को बचने के लिए एक मजबूत सहारा मिल जाता है। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे अपराधी वोट जुटाने और सांप्रदायिक आधार पर वोटों को ध्रुवीकरण करने का काम करते हैं। जातिगत शरण लेने वाले अपराधी का आधार सिर्फ अपनी जाति तक सीमित रहता है, जबकि अपराध के बाद सांप्रदायिक आधार पर बांटने से अपराधी के राजनेता बनने के रास्ते भी खुल जाते हैं। राजनीति का चोला पहन कर सांप्रदायिक घटनाओं को अंजाम देना ज्यादा आसान होता है। बिहार और उत्तरप्रदेश में कुख्यात माफिया लंबे अर्से तक राजनीतिक कवच की आड़ में अपराधों की सजा से बचते रहे हैं। हालांकि अब दोनों राज्यों की स्थिति में सुधार है। उत्तरप्रदेश में भाजपा की योगी सरकार ने मुख्तार अंसारी सहित दूसरे माफिया और गैंगस्टर को सलाखों के पीछे भेजने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। इतना ही नहीं, ऐसे अपराधियों की सम्पत्ति कुर्क करने और अतिक्रमण को ढहाने को भी अंजाम दिया गया, ताकि दूसरे अपराधी भी इससे सबक सीख सकें।

ऐसा ही बिहार में माफियाओं के साथ किया गया। माफियाओं को इस बात का बखूबी एहसास कराया गया कि जाति, धर्म और क्षेत्र की आड़ लेकर अपराधों पर पर्दा डालना आसान नहीं है। इसके बावजूद राजनीतिक दल ऐसे कुख्यात अपराधियों की छवि भुनाने में पीछे नहीं हैं। मुख्तार अंसारी के मामले में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी योगी सरकार पर संप्रदाय के आधार पर कार्रवाई करने का आरोप लगा कर अल्पसंख्यकों का वोट बैंक रिझाने का प्रयास करते रहे हैं।

भारत ने आईएमएफ-एफएसबी से क्रिप्टो के नियमन पर टेक्नीकल पेपर तैयार करने को कहा, IMF एमडी ने कही ये बात

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। आईएमएफ क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि हमें केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्राओं जो राज्य और स्थिर मुद्राओं से समर्थित हैं और क्रिप्टो परिसंपत्तियां जो निजी तौर पर जारी की जाती हैं उनमें फर्क करना होगा। जॉर्जीवा ने कहा, 'हमने हाल ही में एक सत्र में चर्चा कर विभिन्न के देशों के हित में मतभेदों को पाटने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

वर्तमान में जी 20 की अध्यक्षता कर रहे भारत ने आईएमएफ और वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) को संयुक्त रूप से क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर एक तकनीकी पत्र तैयार करने के लिए कहा है। इसका उपयोग क्रिप्टो परिसंपत्तियों को विनियमित करने के लिए एक समन्वित और व्यापक नीति तैयार करने में किया जा सकता है।

वित्त मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय संगठन अक्टूबर 2023 में वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की चौथी बैठक के दौरान अपना संयुक्त पत्र पेश कर सकते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार एक नीतिगत ढांचे की आवश्यकता पर चल रही बातचीत के पूरक के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और एफएसबी की ओर से एक संयुक्त तकनीकी पत्र का प्रस्ताव दिया है। यह क्रिप्टो-परिसंपत्तियों के व्यापक आर्थिक और नियामकीय दृष्टिकोण पर आधारित होगा। इससे क्रिप्टो परिसंपत्तियों के नियमन में मदद मिलेगी।

क्रिप्टो यूनिवर्स के तेजी से विकास के बावजूद, क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए कोई व्यापक वैश्विक नीति ढांचा नहीं है। क्रिप्टो परिसंपत्तियों और पारंपरिक वित्तीय क्षेत्र के बीच अधिक अंतर्संबंध के साथ-साथ क्रिप्टो परिसंपत्तियों के आसपास जटिलता और अस्थिरता पर चिंताओं को देखते हुए नीति निर्माता सख्त नियमों के पक्षधर रहे हैं।

वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) के बयान में कहा गया है कि फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ), फाइनेंसियल स्टेबिलिटी बोर्ड (एफएसबी), कमिटी ऑन पेमेंट्स एंड मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर्स (सीपीएमआई), अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आईओएससीओ) और बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (बीसीबीएस) जैसे वैश्विक मानक निर्धारित करने वाले निकाय अपने संबंधित संस्थागत जनादेश के भीतर काम करते हुए क्रिप्टो से संबंधित नियामक एजेंडे पर समन्वय बना रहे हैं।

भारत वित्तीय अखंडता की चिंताओं से परे क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर जी 20 चर्चा को व्यापक बनाने और अर्थव्यवस्था में व्यापक रूप से क्रिप्टो अपनाने के व्यापक प्रभावों पर नियंत्रण की उम्मीद करता है। इसमें कहा गया है इसके लिए क्रिप्टो परिसंपत्तियों की वैश्विक चुनौतियों और अवसरों के लिए डेटा-आधारित और सूचित दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी

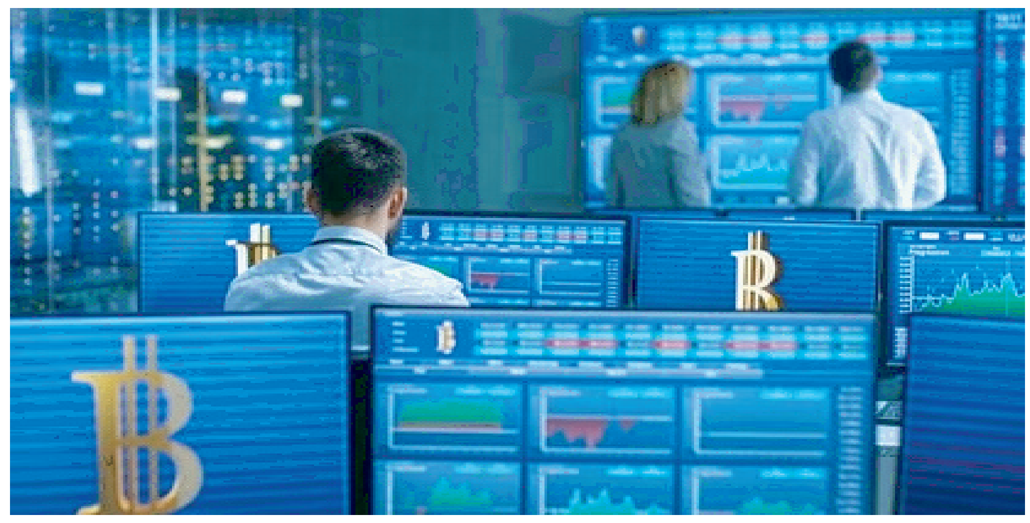

नीति निर्माताओं को क्रिप्टो परिसंपत्तियों के व्यापक व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता निहितार्थों के बारे में सूचित करने के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी ने आईएमएफ से 23 फरवरी 2023 को बेंगलुरु में आयोजित दूसरी जी 20 वित्त और केंद्रीय बैंक डिप्टी बैठक के लिए इस विषय पर एक चर्चा पत्र तैयार करने का अनुरोध किया।

बयान में कहा गया है, ₹उक्त बैठक के दौरान,क्रिप्टो परिसंपत्तियों के आसपास संवाद को व्यापक बनाने के लिए प्रेसीडेंसी के प्रयासों के हिस्से के रूप में क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर नीति सहमति के लिए बहस₹ शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

आईएमएफ के वक्ता, टॉमासो मैनसिनी-ग्रिफोली ने घटना के दौरान चर्चा पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें किसी देश की अर्थव्यवस्था की आंतरिक और बाहरी स्थिरता के साथ-साथ इसकी वित्तीय प्रणाली की संरचना पर क्रिप्टो अपनाने के परिणामों पर प्रकाश डाला गया। मैनसिनी-ग्रिफोली ने रेखांकित किया कि क्रिप्टो परिसंपत्तियों के कथित लाभों में सस्ता और तेजी से सीमा पार भुगतान, अधिक एकीकृत वित्तीय बाजार और वित्तीय समावेशन में वृद्धि शामिल है, लेकिन इन्हें अभी तक महसूस नहीं किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि इंटरऑपरेबिलिटी, सुरक्षा और दक्षता के साथ समस्याओं की गारंटी निजी क्षेत्र की ओर से नहीं दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि लेजर इंट्री के लिए महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे/प्लेटफार्मों को सार्वजनिक भलाई के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने क्रिप्टो संपत्ति यूनिवर्स से संबंधित वैश्विक सूचना अंतराल और जी 20 के तत्वावधान में क्रिप्टो परिसंपत्तियों से संबंधित इंटरलिंकेज, अवसरों और जोखिमों पर गहरी समझ बनाने की आवश्यकता को भी चिह्नित किया।

बयान में कहा गया है कि इस चर्चा ने क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर व्यापक संवाद शुरू करने में मदद की है, लेकिन कई प्रासंगिक नीतिगत प्रश्न भी उठाए हैं जिन्हें नीति निर्माताओं और नियामकों को बारीकी से मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने शनिवार को 20 की एक बैठक के दौरान कहा है कि निजी क्रिप्टोकरेंसी को गैरकानूनी घोषित करने के मुद्दे पर भी चर्चा की जानी चाहिए।

जॉर्जीवा ने कहा, ₹हमें केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्राओं जो राज्य और स्थिर मुद्राओं से समर्थित हैं और क्रिप्टो परिसंपत्तियां जो निजी तौर पर जारी की जाती हैं उनमें फर्क करना होगा।₹ जॉर्जीवा ने कहा, 'हमने हाल ही में एक सत्र में चर्चा कर विभिन्न के देशों के हित में मतभेदों को पाटने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विभिन्न देशों का क्रिप्टो के प्रति क्या नजरिया होना चाहिए इससे संबंधित नौ-सूत्रीय कार्य योजना बनाई थी। इसका पहला नंबर ही यह है कि किसी क्रिप्टोकरेंसी यानी बिटकॉइन जैसी मुद्रा को कानूनी निविदा का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। अल सल्वाडोर के 2021 के अंत में बिटकॉइन को कानूनी नकदी के रूप में स्वीकार करने वाला दुनिया का पहला राष्ट्र बनने की आईएमएफ ने अलोचना की थी।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अब कर्मचारियों का वेतन रोका, सेल्स टैक्स में भी इजाफा

पाकिस्तान सरकार ने आईएमएफ के 6.5 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज के तहत 1.5 बिलियन डॉलर का किस्त हासिल करने के लिए गैस की कीमतों को 147.57 रुपये से बढ़ाकर 295 रुपये कर दिया है। विश्लेषकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकार के इस फैसले से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ेगा क्योंकि सरकार ने आईएमएफ से मदद हासिल करने के लिए बिजली, पेट्रोलियम और गैस की कीमतों में समायोजन किया है।

नई दिल्ली। नकदी संकट से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने महालेखाकार को मौजूदा आर्थिक संकट के कारण वेतन समेत अन्य खर्चों को मंजूरी नहीं देने का निर्देश दिया है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि वित्त व राजस्व मंत्रालय ने पाकिस्तान के महालेखाकार (एजीपीआर) को अगली सूचना तक संघीय मंत्रालयों/डिवीजनों और संबद्ध विभागों के सभी बिलों को मंजूरी देने पर रोक लगाने का भी निर्देश दिया है।

समाचार पत्र ने बताया कि परिचालन लागत से संबंधित रिलीज को मुख्य रूप से देश के सामने आर्थिक कठिनाई के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार कुछ सप्ताह पहले 2.9 बिलियन अमरीकी डालर के चिंताजनक स्तर पर पहुच गया था यह अब 4 बिलियन अमरीकी डॉलर के करीब पहुंच गया है। पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से वित्त पोषण की 1.1 बिलियन अमरीकी डालर की किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

वित्त मंत्री इशाक डार से जब अखबार ने इस मसले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया तो उन्होंने

कहा कि यह असत्य हो सकता है लेकिन उन्होंने साथ ही पुष्टि के बाद सही स्थिति की जानकारी देने का वादा किया।

सूत्रों ने कहा कि वे अपने बकाया बिलों को मंजूरी देने के लिए एजीपीआर कार्यालय गए थे लेकिन उन्हें सूचित किया गया कि वित्त मंत्रालय ने उन्हें मौजूदा कठिन वित्तीय स्थितियों के कारण वेतन सहित सभी बिलों को मंजूरी देने से रोकने का निर्देश दिया है।

सूत्रों के अनुसार हालांकि सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है कि बिलों की मंजूरी को तत्काल आधार पर क्यों रोका गया। रक्षा से जुड़े संस्थानों के वेतन और पेंशन को पहले ही अगले महीने के लिए मंजूरी दी जा चुकी है। वित्त मंत्री डार ने 22 फरवरी को रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान कहा था कि सरकार अर्थव्यवस्था को स्थिरता और वृद्धि की ओर ले जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार आईएमएफ कार्यक्रम को पूरा करने और सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आईएमएफ की किस्त को अनलॉक करने की डार की प्रतिबद्धता 20 फरवरी को दिखी थी जब नेशनल असेंबली ने सर्वसम्मति से वित्त (पूरक) विधेयक 2023 या ₹मिनी बजट₹ को मंजूरी दी थी। यह कदम आईएमएफ से वित्त पोषण की मांग के लिए अनिवार्य था।

विधेयक में कारों और घरेलू उपकरणों से लेकर चॉकलेट व सौंदर्य प्रसाधनों तक के आयात पर बिक्री कर 17 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है। सामान्य बिक्री कर को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया।

विधेयक पारित होने के बाद मंत्री ने संसद के निचले सदन में कहा, "प्रधानमंत्री अगले कुछ दिनों में मितव्ययिता के उपायों की भी घोषणा करेंगे." उन्होंने कहा, "हमें कठिन फैसले लेने होंगे।"

देश की साप्ताहिक मुद्रास्फीति में 23 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान पिछले हफ्ते की तुलना में 2.78% बढ़ी जबकि वार्षिक आधार पर इसमें 41.54 प्रतिशत की वृद्धि दिखी।

पाकिस्तान सरकार ने आईएमएफ के 6.5 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज के तहत 1.5 बिलियन डॉलर का किस्त हासिल करने के लिए गैस की कीमतों को 147.57 रुपये से बढ़ाकर 295 रुपये कर दिया है। विश्लेषकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकार के इस फैसले से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ेगा क्योंकि सरकार ने आईएमएफ से मदद हासिल करने के लिए बिजली, पेट्रोलियम और गैस की कीमतों में समायोजन किया है। उपभोक्ता आवश्यक वस्तुओं, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के बोझ तले पहले से दबे हुए हैं।

अब एरिक्सन में जाएगी 8500 लोगों की नौकरी, खर्चा घटाने के लिए कंपनी छंटनी की बना रही योजना

एरिक्सन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बोरजे एखोल्म ने कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में लिखा है, कर्मचारियों की संख्या में कमी का प्रबंधन अलग-अलग देशों में अलग-अलग तरीके से किया जाएगा। कई देशों में कर्मचारियों की संख्या में कटौती की सूचना पहले ही दी जा चुकी है।

दूरसंचार उपकरण निर्माता एरिक्सन लागत में कटौती के लिए तहत वैश्विक स्तर पर 8,500 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। कंपनी ने स्वीडन में लगभग 1,400 नौकरियों में कटौती की योजना की घोषणा की है।

छंटनी की घोषणा के साथ एरिक्सन प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों के कारण हजारों नौकरियों में कटौती की घोषणा करने वाली कंपनियों गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसे दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गया है।

एरिक्सन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बोरजे एखोल्म ने कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में लिखा है, कर्मचारियों की संख्या में कमी का प्रबंधन अलग-अलग देशों में अलग-अलग तरीके से किया जाएगा। कई देशों में कर्मचारियों की संख्या में कटौती की सूचना पहले ही दी जा चुकी है।

एरिक्सन में दुनिया भर में 105,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं। कंपनी ने यह घोषणा नहीं की है कि किस क्षेत्र में सबसे अधिक छंटनी होगी। हालांकि विश्लेषकों ने पहले आशंका जतायी थी कि छंटनी से उत्तरी अमेरिका सबसे अधिक प्रभावित होगा और भारत जैसे बढ़ते बाजार सबसे कम प्रभावित होंगे।

दिसंबर में स्वीडिश टेलीकॉम दिग्गज ने कहा कि वह 2023 के अंत तक 9 बिलियन क्राउन (880 मिलियन डॉलर) की लागत में कटौती करेगी क्योंकि उत्तरी अमेरिका सहित कुछ बाजारों में मांग धीमी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मेमो में एखोल्म ने कहा, ₹प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इस लागत कम करना दायित्व है। अभी हमारा सबसे बड़ा दुश्मन शालीनता हो सकता है। एरिक्सन के मुख्य वित्तीय अधिकारी कार्ल मलैंडर ने पूर्व में मीडिया से बातचीत में कहा था कि लागत में कटौती के तहत सलाहकारों, रियल एस्टेट और कर्मचारियों की संख्या को कम की जाएगी।

बता दें कि पिछले महीने Google ने 12,000 लोगों के छंटनी की घोषणा की थी। जबकि Microsoft ने कहा कि था कि वह भी अपने कर्मचारियों की संख्या में 10,000 की कमी करेगा।

अमेरिकी अरबपति थॉमस ली अपने दफ्तर में मृत पाए गए, आत्महत्या की आशंका

फोर्ब्स के अनुसार ली की मृत्यु के समय उनकी संपत्ति करीब दो अरब डॉलर थी। उनके परिवार में उनकी पत्नी ऐन टेनेनबॉम और पांच बच्चे हैं। फॉक्स न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार थॉमस ली के पारिवारिक मित्र और प्रवक्ता माइकल साइट्रिक ने एक बयान में कहा, ₹टॉम की मौत से परिवार बेहद दुखी है। दुनिया उन्हें निजी इक्विटी कारोबार में अग्रणी और एक सफल व्यवसायी के रूप में जानती थी।

नई दिल्ली। अमेरिकी और अरबपति फाइनेंसर थॉम एच ली न्यूयॉर्क में अपने 767 फिफ्थ एवेन्यू स्थित दफ्तर में मृत पाये गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ली के मैनहट्टन कार्यालय में उनका शव मिला। बताया जा रहा है कि उनकी मौत गोली लगने से हुई थी और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उन्होंने खुद को ही गोली मारी है। पुलिस ने मीडिया को कहा है कि गुरुवार की सुबह 767 फिफ्थ एवेन्यू में 78 वर्षीय एक व्यक्ति का मृत शव मिला है। यह पता थॉमस एच ली के कैपिटल एलएलसी के कार्यालय के रूप में सूचीबद्ध है। हालांकि पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है उन्होंने खुदकुशी की है। उन्हें उनके कार्यालय में बाथरूम के फर्श पर एक महिला सहायक द्वारा देखा गया था। सुबह से उसका पता नहीं चलने के कारण वह उसकी तलाश में निकली थी।

फोर्ब्स के अनुसार ली की मृत्यु के समय उनकी संपत्ति करीब दो अरब डॉलर थी। उनके परिवार में उनकी पत्नी ऐन टेनेनबॉम और पांच बच्चे हैं।

फॉक्स न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार थॉमस ली के पारिवारिक मित्र और प्रवक्ता माइकल साइट्रिक ने एक बयान में कहा, ₹टॉम की मौत से परिवार बेहद दुखी है। दुनिया उन्हें निजी इक्विटी कारोबार में अग्रणी और एक सफल व्यवसायी के रूप में जानती थी। हम उन्हें एक समर्पित पति, पिता, दादा, भाई-बहन, दोस्त और परोपकारी व्यक्ति के रूप में जानते थे जो हमेशा दूसरों की जरूरतों को अपने से पहले रखते थे। थॉमस ली, ली इक्विटी के संस्थापक और अध्यक्ष थे। इसकी स्थापना उन्होंने 2006 में की थी और इससे पहले उन्होंने थॉमस एच. ली पार्टनर्स के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्य किया था। इसकी की स्थापना उन्होंने 1974 में की थी। ली ने लिंकन सेंटर, द म्यूज़ियम ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय और यहूदी विरासत संग्रहालय जैसे संस्थानों के बोर्ड में एक ट्रस्टी और परोपकारी के रूप में कार्य किया।

पिछले 46 वर्षों में अरबपति ली सैकड़ों सौदों में 15 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया। इन सौदों में वार्नर म्यूजिक और स्नैपल बेवरेजेज जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों की खरीद और बाद में बिक्री शामिल थी। कथित तौर पर वह व्यवसाय इकाई के खिलाफ उधार लिए गए धन का उपयोग करके व्यवसाय खरीदने वाले पहले फाइनेंसरों में से एक थे। इसे अब ₹लीवरेज्ड बायआउट₹ के रूप में जाना जाता है।

ब्रीफ न्यूज

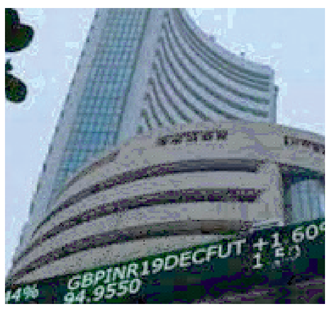

अमेरिका से एक संकेत और निवेशकों ने कमा लिए 3 लाख करोड़, जानिए क्यों बाजार में आई जबरदस्त तेजी

भारतीय शेयर बाजार में आज जबरदस्त तेजी आई है। सेंसेक्स करीब 900 अंक चढ़ गया। वहीं, निफ्टी 18,100 के पार बंद हुआ। अमेरिका में ब्याज दर वृद्धि के मोर्चे पर नरमी के संकेत के बाद बाजार में यह तेजी दर्ज हुई है। अधिकतर सेक्टोरियल सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए।

नई दिल्ली : शेयर बाजार में निवेशकों ने खूब चांदी कूटी। भारतीय शेयर बाजार भारी बढ़त के साथ बंद हुआ है। निफ्टी 1.35 फीसदी या 241 अंक बढ़कर 18,101 पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स 1.41 फीसदी या 846 अंक चढ़कर 60,747 पर बंद हुआ। बीएसई पर करीब 1986 शेयर बढ़त के साथ, 1542 शेयर गिरावट के साथ और 155 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टर्स की बात करें, तो आईटी, पावर, ऑटो, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, मेटल और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1-2 फीसदी की बढ़त रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स करीब 1 फीसदी ऊपर रहा। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की तेजी रही।

ब्याज दर के मोर्चे पर नरमी की उम्मीद

बाजार को उम्मीद है कि महंगाई नीचे आ रही है और फेड ब्याज दर (Fed Interest Rate) वृद्धि के मामले में नरम पड़ सकता है। अमेरिका के प्रमुख संकेतकों ने फेड द्वारा ब्याज दरों में इजाफे के मोर्चे पर नरमी के संकेत दिए हैं। भारतीय बाजार में आज की तेजी ब्याज दर वृद्धि की चिंताओं में कमी आने के चलते ही है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि उतार-चढ़ाव बना रहेगा। क्योंकि यह देखना बाकी है कि अर्थव्यवस्था मंदी से बच सकती है या नहीं। इस समय निवेशकों का फोकस कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों पर भी है। सोमवार शाम आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टीसीएस (TCS) के नतीजे आने हैं।

निवेशकों ने कमाए 3 लाख करोड़

दलाल स्ट्रीट में आज की तेजी में निवेशकों ने तीन लाख करोड़ रुपये कमाए हैं। सोमवार को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण 282.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। एक्सपर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को जारी हुआ यूएस इकनॉमिक डाटा ग्लोबल मार्केट के नजरिए से महत्वपूर्ण है। सभी आंकड़े यूएस इकनॉमी में खतरे के संकेत नहीं दे रहे हैं।

इन शेयरों में रही तेजी

इससे पहले बाजार में पिछले तीन दिनों से गिरावट देखने को मिल रही थी। आज सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, विप्रो, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। आईटी कंपनियों के शेयरों में अच्छी मांग देखने को मिली। केवल तीन शेयर शेयर टाइटन, बजाज फिनसर्व और मारुति नुकसान में रहे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने शुक्रवार को 2,902.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

वैश्विक बाजारों का हाल

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त में रहे थे।

आईटी सेक्टर के लिए उम्मीद बंधी

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में वेतन वृद्धि की गति धीमी पड़ने और सेवा गतिविधियों में गिरावट के साथ महंगाई के नरम होने से ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक नीतिगत दर के मामले में अपेक्षाकृत कम आक्रामक रुख अपनाएगा।

सीएम योगी यूपी विधानसभा में तमतमाए, कहा- जिन्ना की आरती उतारती है सपा, अखिलेश की बुद्धि पर ये बोल दिया

एनटीवी न्यूज

उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र 2023 के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ आज अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर फट पड़े। सीएम योगी ने लताड़ते हुए सपा को उसका अतीक अहमद से कनेक्शन याद दिला दिया। साथ ही अखिलेश और सपा का जिन्ना के प्रति लगाव भी बताया।

लखनऊः यूपी विधानसभा बजट सत्र 2023 के दौरान सदन का माहौल एकदम से गरम हो गया। समाजवादी पार्टी ने उमेश पाल हत्याकांड पर बवाल काटा और राज्यपाल का बहिष्कार किया तो सीएम योगी (CM Yogi) तमतमा उठे। उन्होंने भरे सदन में सपा के साथ अखिलेश यादव (Akhilesh Yadav) को तीखे तेवर में खरी-खोटी सुना दी। एक तरफ अतीक अहमद (Atiq Ahmed) को पनाह देने का आरोप सपा पर लगाया। वहीं दूसरी तरफ सपा को जिन्ना (Jinna) से जोड़ दिया। साथ ही कहा कि शक्ति देना आसान है, लेकिन बुद्धि देना कठिन होता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया। तब सपा जिन्ना का महिमामंडन कर रही थी। इनको पता ही नहीं, एक तरफ 31 अक्टूबर की तिथि एकता दिवस के रूप में मनाया गया। केवड़िया में सबसे बड़ी प्रतिमा लगी है, वहां कार्यक्रम हो रहे थे। एक तरफ सरदार पटेल भारत की एकता के शिल्पी, हम उन्हें सम्मान देने का काम कर रहे थे, सपा जिन्ना की आरती उतार रही थी। इन्हें राष्ट्र को जोड़ने और तोड़ने वाले में अंतर पता नहीं। इसीलिए मैंने कहा कि शक्ति देना सरल है, बुद्धि देना कठिन है। साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव को पिता से विरासत में मिली सत्ता को लेकर भी करारा जवाब दिया।

माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाएंगे योगी

उन्होंने कहा कि विरोधी दल के नेता थोड़ा गुस्सा कम कर लें। प्रदेश को तो नहीं कर पाए लेकिन परिवार को जरूर एकजुट कर लेंगे। सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव में तीखी बहस हो गई। सीएम योगी उनके भाषण के बीच टोके जाने से गुस्सा हो उठे। इसके बाद उन्होंने अतीक अहमद को लेकर अखिलेश और सपा को घेर लिया। सीएम योगी ने कहा कि माफिया अतीक अहमद को सपा सरकार ने ही विधायक बनाया। उन्हीं के सहयोग से एमपी-एमएलए बना। सीएम ने कहा कि प्रयागराज की घटना पर सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के आधार पर काम कर रही है। आखिर में उन्होंने कहा कि हम उस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। सदन में सीएम योगी ने कहा, ये जो अपराधी और माफिया हैं आखिर ये पाले किसके द्वारा गए हैं? क्या ये सच नहीं है कि जिसके खिलाफ FIR दर्ज है उन्हें सपा ने सांसद बनाया था? आप अपराधी को पालेंगे और उसके बाद आप तमाशा बनाते हैं। हम इस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।

शर्म तुम्हें आनी चाहिए, अपने बाप का सम्मान नहीं कर पाए... अखिलेश पर क्यों तमतमा गए योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सपा के विधायकों के हंगामे को लेकर आक्रोश जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग राज्यपाल का सम्मान नहीं कर सकते, वो आधी आबादी का क्या सम्मान करेंगे।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की विधानसभा में शनिवार को योगी आदित्यनाथ अखिलेश यादव पर जमकर बरसे। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर अपराधियों के संरक्षण का आरोप लगाया और कहा कि अतीक अहमद को सपा सरकार ने सांसद और विधायक बनाया, जिस पर उमेश पाल की हत्या करने का आरोप है। उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के दौरान सपा विधायकों के हंगामे को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा कि ये लोग महिला राज्यपाल का सम्मान नहीं कर सकते तो आधी आबादी का सम्मान क्या करेंगे। उन्होंने गेस्ट हाउस कांड और मुलायम सिंह यादव के बयान को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। योगी ने अभिभाषण के दौरान सपा विधायकों के राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाने पर उन्हें आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'जो महिला राज्यपाल का सम्मान नहीं कर सकते, वो आधी आबादी का सम्मान करेंगे? उनके शासनकाल में ही गेस्ट हाउस कांड की घटना घटी थी। ये आचरण उस समय सामने आया था। लड़के हैं गलती कर देते हैं, ऐसे भी बयान सामने आए थे। ऐसे ही तमाम वक्तव्य सामने आए थे। ये लोग लोकतंत्र की बात करते हैं, ये आश्चर्यजनक स्थिति है।'

मुलायम सिंह यादव ने रेप के आरोपियों को फांसी की सजा देने की बात चलने पर एक सभा में कहा था कि लड़कों से गलती हो जाती है तो क्या उसके लिए फांसी चढ़ा दोगे। इस बयान को लेकर खूब बवाल मचा था और मुलायम विपक्षी दलों के निशाने पर आ गए थे। योगी ने उसी भाषण का जिक्र करके सपा पर निशाना साधा तो अखिलेश भड़क गए। वह योगी को टोक रहे थे तो मुख्यमंत्री तमतमा गए। उन्होंने अखिलेश से कहा कि शर्म तुम्हें करनी चाहिए कि जो अपने बाप का सम्मान नहीं कर पाए।

योगी ने कहा कि अभिभाषण की चर्चा करते हैं तो कोई भी प्रमुख सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करता है और भावी उपलब्धियों की भी चर्चा करता है। यह पूरे देश के अंदर होता है। संसदीय परंपराएं यही हैं। संसद के समवेत सत्र को राष्ट्रपति संबोधित करती हैं तो सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का चित्रण करती हैं। कौन ऐसा दल है जिसको सत्ता में अवसर नहीं मिला। आज आपके कारनामों से जनता आपको दोषी ठहरा रही है, तो अपने कारनामों को दोषी ठहराइए।

ब्रीफ न्यूज

रोजगार बढ़ाने को लेकर कांग्रेस का इस सेक्टर पर ज्यादा जोर, चीन मुद्दे पर फिर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली। आर्थिक मामलों के संकल्प पर कांग्रेस ने कहा कि 1991 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने उदारीकरण के एक नए युग की शुरुआत की थी। आज उसका परिणाम भारत को मिल रहा है। यूपीए ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में 27 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला... छत्तीसगढ़ की राजधानी में कांग्रेस पार्टी के 85वें राष्ट्रीय अधिवेशन का दूसरा दिन है। शनिवार को पार्टी ने राजनीति, विदेशी और आर्थिक मामलों पर प्रस्ताव पास किए। कांग्रेस ने विदेश नीति के मामले में मोदी सरकार पर जमकर प्रहार किया। विदेश नीति के संकल्प में कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने भारत की विदेश नीति की भावना को संरक्षित करके नहीं रखा। इस कारण भारत ने कई लाभ को खो दिया है।

पार्टी ने अपने संकल्प में कहा, आज भारत के चीन, नेपाल और बांग्लादेश सहित अन्य सभी पड़ोसी देशों से संबंध खराब हैं। चीन ने भारत के साथ आर्थिक और भू-राजनीतिक अंतर को लगातार बढ़ाया है। चीन लगातार रूस, ईरान, श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ मजबूत संबंध को बढ़ावा दे रहा है। भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संप्रभुता के लिए खड़े होना हमारा कर्तव्य है। लेकिन इसे पूरा करने में भाजपा सरकार विफल रही है। जब बात हमारी सेना और सैनिकों की आती है, तो कांग्रेस पार्टी बिना शर्त सेना और सरकार समर्थन करती है। लेकिन आज वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना नियमों का बार बार उल्लंघन कर रही है।आज चीन लगातार इस तरह की हरकत कर रहा है। लेकिन सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

कांग्रेस पार्टी सामूहिक निर्णय लेने के सिद्धांत को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ताकि अनुभवी परामर्श के आधार पर राष्ट्रीय हित में विदेश नीति प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। भाजपा सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सिद्धांत को विकसित और प्रकाशित करने में पूर्ण रूप से विफल रही है। भारत के भीतर अंतरराष्ट्रीय संगठनों, थिंक टैंक, चैरिटी संसथाओं के कामकाज को भी बहाल और सुरक्षित रखेगी। हालांकि इन संस्थाओं को संवैधानिक ढांचे के भीतर काम करना होगा।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अंतरराष्ट्रीय मामले में प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि आज भारत की विदेश नीति अब सिर्फ व्यक्तिगत नीति बन गई है। प्रधानमंत्री जिस देश में जाते हैं, उसके बाद वहां का कॉन्ट्रैक्ट उनके दोस्त को मिल जाता है। दुनिया किस नजर से हमें देखती है, ये देखना होगा। इस बात पर हम गौर करें तो, हमें इतिहास की तरफ ध्यान देना होगा। दुनिया ने बापू से सीखी सत्याग्रह की ताकत। दुनिया ने कभी सोचा नहीं होगा कि भारत कैसा विशाल होगा। हमने ऐसे संविधान का निर्माण किया, जिससे भाईचारा जीवित रह सकता है। ये वो देश है, जिसने दुनिया को जैन, बौद्ध धर्म दिया।

कर्नाटक के बिना भारत को परिभाषित नहीं कर सकते, कन्नड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

एनटीवी संवाददाता

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित हो रहे इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में सैंकड़ों कलाकार नृत्य, संगीत, नाटक, कविता आदि के माध्यम से कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया।

नई दिल्ली। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण के तहत कर्नाटक की संस्कृति, परंपराओं और इतिहास का जश्न मनाने के लिए दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में दिम दिमावा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित हुए इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने किया। इस दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद हैं।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 'जब हम 75 वर्ष पहले की परिस्थिति को देखते हैं उसका आंकलन करते हैं तो इस प्रयास में भारत की अंग आत्मा के दर्शन होते हैं। आज आजादी के अमृत काल में भी देश की वो उर्जा और समर्पण जीवंत नज़र आती है। प्रधानमंत्री ने कहा 'मैं इस अवसर पर इस संघ का सपना देखने वाली, इसे साकार करने वाली सभी विभूतियों को नमन करता हूं। 75 साल तक जिन लोगों ने इस संघ को चलाया आगे बढ़ाया, विकास किया वे सब अभिनंदन के अधिकारी हैं। मैं कर्नाटक के लोगों को भी राष्ट्र निर्माण के उनके प्रयास के लिए नमन करता हूं।'

भारत की पहचान हो, परंपरा हो या भारत की प्रेरणा हो कर्नाटक के बिना हम भारत को परिभाषित नहीं कर सकते हैं। पौराणिक काल से कर्नाटक की भूमिका हनुमान की रही है। हनुमान के बिना न राम होते हैं न रामायण बनती है। कर्नाटक के लोगों ने हमेशा एक भारत श्रेष्ठ भारत के मंत्र को जिया है। आज जर्मन चांसलर से मिला मुझे खुशी है कि कल से उनका कार्यक्रम बेंगलुरु में शुरु हो रहा है। आज G20 समूह की भी एक बड़ी बैठक बेंगलुरु में हो रही है। मैं किसी भी राष्ट्राध्यक्ष से मिलता हूं तो मेरी कोशिश होती है कि वे प्राचीन और आधुनिक भारत की दोनों तस्वीरें देखें।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित हो रहे इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में सैंकड़ों कलाकार नृत्य, संगीत, नाटक, कविता आदि के माध्यम से कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया।

जी20: यूक्रेन संकट पर संयुक्त बयान से चीन और रूस ने किया किनारा, श्रीलंका संकट पर कही ये बात

साझा बयान में कहा गया है, हम अंतरराष्ट्रीय नीति सहयोग बढ़ाने और मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास हासिल करने की दिशा में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की 24 और 25 फरवरी को बैठक हुई। इस बैठक के बाद 'जी-20 अध्यक्ष का सारांश और परिणामी दस्तावेज' जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि रूस और चीन को छोड़कर सभी सदस्य देशों ने जी-20 बाली में नेताओं की घोषणा पर बयान देने पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त बयान में कहा गया है, हम श्रीलंका की ऋण स्थिति के तत्काल समाधान की उम्मीद करते हैं। हम निम्न और मध्य आय वाले देशों में ऋण की कमजोरियों को दूर करने की तात्कालिकता को समझते हैं।

मजबूत, टिकाऊ, संतुलित वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध

बयान में कहा गया है, हम जी-20 देशों के वित्त मत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर्स ने 24-25 फरवरी को भारतीय अध्यक्षता में एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की थीम के साथ बैठक की। हम अंतरराष्ट्रीय नीति सहयोग बढ़ाने और मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास हासिल करने की दिशा में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तुर्किये और सीरिया में विनाशकारी भूकंप से नुकसान पर जताया दुख

इसमें आगे कहा गया है, हम 6 फरवरी 2023 को विनाशकारी भूकंप से दक्षिण पूर्व तुर्किये में जीवन और विनाश के नुकसान से बहुत दुखी हैं, और तुर्किये के लोगों के साथ एकजुटता में खड़े हैं। हम सीरियाई लोगों के प्रति भी अपनी गहरी सहानुभूति भी व्यक्त करते हैं, जो दो बार विनाशकारी भूकंप से प्रभावित हुए। हम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम पहले से प्रदान की जा रही मानवीय सहायता का मूल्यांकन करने और सदस्यों और बहुपक्षीय संस्थानों से अर्थव्यवस्था और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना जारी रखने का आह्वान करते हैं।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर कही ये बात

संयुक्त बयान में कहा गया है, फरवरी 2022 के बाद से, हमने यूक्रेन में युद्ध को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हुए भी देखा है। इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अन्य मंचों पर अपेक्षा के अनुसार अपनी राष्ट्रीय स्थिति को फिर से परिभाषित किया, जिसे 2 मार्च को प्रस्ताव संख्या -11/1 में बहुमत वोट (पक्ष में 141 वोट) द्वारा अपनाया गया था।

मतदान से पहले वोटरों को लुभाने में लगे सीएम स्टालिन, महिलाओं के लिए इस बड़ी योजना का किया एलान

एनटीवी संवाददाता

स्टालिन ने डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव एलायंस की ओर से चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार ई वी के एस इलांगोवन के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना के कार्यान्वयन की तारीख की घोषणा मार्च में बजट में की जाएगी।

नई दिल्ली। अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच नाक का सवाल बनी इरोड (पूर्वी) सीट पर मतदान से पहले मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बड़ा एलान किया है। उम्मीदवार ई वी के एस इलांगोवन के लिए समर्थन की मांग करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को घोषणा करके हुए कहा कि तमिलनाडु में परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक की बहुचर्चित मासिक सहायता योजना लागू करेगी। उन्होने यह भी कहा कि इसकी घोषणा राज्य के आगामी बजट में की जाएगी।

प्रचार अभियान के दौरान डीएमके के अध्यक्ष स्टालिन ने आगे कहा कि उनकी पार्टी कभी भी अपने वादों या घोषणाओं को पूरा करने में विफल नहीं रही है। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्टालिन ने जोर देकर कहा कि परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को प्रति माह 1,000 रुपये प्रदान करने का द्रमुक का चुनावी वादा निश्चित रूप से लागू किया जाएगा।

स्टालिन ने डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव एलायंस की ओर से चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार ई वी के एस इलांगोवन के लिए वोट मांगते हुए कहा कि इस योजना के कार्यान्वयन की तारीख की घोषणा मार्च में बजट में की जाएगी।

85 फीसदी चुनावी वादों को किया गया पूरा

इस दौरान सीएम ने कहा कि डीएमके द्वारा किए गए 85 फीसदी चुनावी वादों को लागू किया जा चुका है। साथ ही बचे हुए वादों को इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। अपने संबोधन में उन्होंने लोगों के लिए विकास कार्यों और अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन, मुख्य रूप से राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा रियायत, सरकारी स्कूलों में छात्रों को मुफ्त नाश्ता और किसानों को मुफ्त बिजली के बारे में विस्तार से बताया।

स्टालिन ने डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव एलायंस की ओर से चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार ई वी के एस इलांगोवन के लिए वोट मांगते हुए कहा कि इस योजना के कार्यान्वयन की तारीख की घोषणा मार्च में बजट में की जाएगी।

इससे पहले, तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने उपचुनाव से पहले इरोड-पूर्व विधानसभा सीट पर अन्नाद्रमुक उम्मीदवार के एस थेनारासू के लिए प्रचार के दौरान सत्तापक्ष पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि डीएमके ने अपने चुनावी वादे पूरे नहीं किए। उपचुनाव में वोटिंग DMK सरकार के खिलाफ होगी। अन्नामलाई ने आरोप लगाया था कि डीएमके सरकार कानून-व्यवस्था सहित अपनी सभी जिम्मेदारियों में फेल साबित हुई है।

साड़ियां-कुकर मुफ्त में बांटकर भी नहीं मिलेगी जीत

तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि हमें भरोसा है कि एनडीए उम्मीदवार केएस थेनारासु भारी अंतर से जीतेंगे। डीएमके राज्य के लोगों को हल्के में नहीं ले सकती। इस दौरान उन्होंने सत्तापक्ष पर वोटरों को लुभाने के लिए फ्री में चीजें बांटने का आरोप लगाया। भाजपा प्रमुख ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षकों की निगरानी में मुफ्त प्रेशर कुकर, रेशमी साड़ियों का वितरण हो रहा है। बीजेपी ने इसे ईसीआई के समक्ष उठाया है। अन्नाद्रमुक इस मुद्दे पर कोर्ट जा चुकी है। डीएमके को लगता है कि वह मुफ्त में चीजें बांटकर जीत सकती है, लेकिन ऐसा नहीं होगा।